जीवन दर्शन

जो भी आप अपने जीवन में करते हैं, एक दिन वह जरुर खत्म हो जायेगा लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है की आप कुछ करते तो है - महात्मा गाँधी

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

रविवार 1 जून, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 110 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

अल्काराज फ्रेंच ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे:बेन शेल्टन से होगा...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री गुप्ता बोलीं- खुद को आम आदमी बताने वाले सत्ता के लालच में आ गए

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने पर शनिवार को दिल्ली सरकार ने विशेष कार्यक्रम '100 दिन सेवा के' आयोजित किया। इसमें बॉलीवुड स्टार अनुपम खेर भी पहुंचे। उन्होंने दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता से सवाल-जवाब किए। सरकार के 100 दिन के कामों के बारे में पूछा। जेएलएन स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में रेखा गुप्ता ने कहा- जब रामलीला मैदान से आंदोलन शुरू हुआ, तो हजारों-लाखों लोग इसमें शामिल हुए। मैं भी शामिल हुई। सभी ने इसका समर्थन किया। वे लोग (आप) जो कहते थे कि वे सत्ता के लालची नहीं हैं, वे इतने लालची हो गए कि उन्हें सत्ता के अलावा कुछ दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोगों के बीच सड़कों पर काम कर रही है।

अमेरिका बोला-एशिया का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा चीन

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर चीन ने जबरदस्ती ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश की, तो इसका असर इंडो-पैसेफिक क्षेत्र और पूरी दुनिया पर पर बहुत बुरा होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने सिंगापुर में चल रही शांगरी-ला डायलॉग में कहा कि चीन एशिया में ताकत का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा है। रक्षा मंत्री ने चीन पर साइबर हमलों, अपने पड़ोसियों को डराने और दक्षिण चीन सागर में अवैध कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए। हेगसेथ ने ये भी कहा कि चीन लगातार ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास कर रहा है, जो किसी बड़े हमले की तैयारी लगती है। हेगसेथ ने कहा कि चीन का खतरा असली है और ये कभी भी सामने आ सकता है।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर चेतावनी- भारत अवैध एंट्री करने वालों को अरेस्ट कर रहा

काठमांडू। नेपाल स्थित चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए भारत-नेपाल बॉर्डर के पास ट्रैवल से बचने की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी भारत की तरफ से पिछले कुछ महीने में अवैध बॉर्डर पार करने वालों पर कार्रवाई के बाद दी गई है। शुक्रवार को जारी एक बयान में चीनी दूतावास ने कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद कुछ चीनी ट्रैवलर्स बॉर्डर इलाके में जा रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें भारत में अवैध एंट्री के आरोप में हिरासत में लिया जा रहा है। दूतावास ने बताया कि नेपाल और भारत के नागरिक अपने आइडेंटिटी कार्ड के साथ दोनों देशों की बॉर्डर में आ जा सकते सकते हैं, लेकिन यह नियम विदेशी नागरिकों पर लागू नहीं होता।

देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन

इंदौर मेट्रो रेल का ऐतिहासिक शुभारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर ने आज आधुनिकता की नई पटरी पर कदम रखा। मध्यप्रदेश की आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी अब मेट्रो ट्रेन प्रणाली से जुड़ चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल से वर्चुअल माध्यम से इंदौर मेट्रो परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी विशेष रूप से मौजूद थे। लोक माता देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर इंदौर में शुरू हुए मेट्रो रेल परियोजना के शुभारंभ के इस ऐतिहासिक अवसर पर इंदौर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जिसमें नागरिकों विशेष कर महिलाओ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह समारोह महिलाओं पर विशेष रूप से केंद्रित था।

इंदौर में आयोजित समारोह में केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री श्री तोखन साहू, मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री जयदीप विशेष रूप से मौजूद थे। विशेष बात यह रही कि यह परियोजना देवी लोक माता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर शुरू की गई और पूरी तरह से महिलाओं को समर्पित रही। इससे न केवल शहर के विकास को एक नई दिशा मिली है, बल्कि यह पहल महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण है।

वीरांगनाओं के नाम पर रखे स्टेशन

इंदौर मेट्रो के टर्मिनल का नाम देवी अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर रखा गया है। इसके अलावा सभी स्टेशनों के नाम भी वीरांगनाओं के नाम पर रखे गए हैं, जिनमें महारानी लक्ष्मीबाई स्टेशन, रानी अवंती बाई लोधी स्टेशन, रानी दुर्गावती स्टेशन और वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन शामिल हैं। 6 किलोमीटर का यह यलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है।

नागरिक उत्साह और उम्मीदों से भरी

शहरवासियों ने इस ऐतिहासिक पल पर अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त कीं। ज्योति शर्मा (छात्रा) का कहना है कि अब हमें कॉलेज आने-जाने में बहुत सहूलियत होगी, ट्रैफिक और ऑटो वालों की मनमानी से मुक्ति मिलेगी। निजी कंपनी में काम करने वाले सुनील चौहान ने बताया कि मेट्रो से समय की बचत होगी और ऑफिस पहुंचना अब ज्यादा भरोसेमंद रहेगा।

इंदौर मेट्रो में एक सप्ताह मुफ्त सफर

पहले सप्ताह मेट्रो का सफर बिलकुल मुफ्त रहेगा। दो स्टेशनों के बीच का किराया 20 रुपए रखा गया है। जबकि दो से ज्यादा स्टेशन होने पर 30 रुपए किराया देना होगा। ये जानकारी इंदौर मेट्रो की ओर से दी गई है।

ऑपरेशन शील्डः जम्मू-कश्मीर, गुजरात समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल

पाकिस्तान से सटे राज्यों में ब्लैक आउट

नई दिल्ली ■

ऑपरेशन शील्ड के तहत शनिवार को देश के 6 राज्यों जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में मॉक ड्रिल हुई। शाम 5 बजे से रात 9 बजे के दौरान एयर स्ट्राइक, अटैक और ब्लैक आउट की ड्रिल को पूरा किया गया। सबसे पहले सभी 6 राज्यों के कई जिलों में एयर स्ट्राइक, बॉम्ब ब्लास्ट, फायरिंग, इमारत में आग लगने पर स्थिति से कैसे निपटा जाए, इसकी ड्रिल को पूरा किया गया। पुलिस, प्रशासन, रआ़फ्र्रक्ष फायर ब्रिगेड और वॉलंटियर्स की टीमें इसमें शामिल हुईं।

ड्रिल के दौरान इमारत में आग लगने पर लोगों को बाहर निकालने, घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर मेडिकल हेल्प देने, एम्बुलेंस के जरिए उन्हें अस्पताल भेजने, इमारतों में लगी आग पर काबू पाने की ड्रिल को अंजाम दिया गया। इस दौरान बिना देर किए क्विक रिस्पॉन्स देने पर फोकस किया गया। रात 8 बजे से 9 बजे के बीच इन राज्यों में ब्लैक आउट रहा। सायरन बजने के साथ ही कई जिलों में 15 मिनट, कहीं 20 से 25 मिनट तो कहीं 30 मिनट तक ब्लैक आउट रहा। इस दौरान पुलिस की टीमें पेट्रोलिंग करती रहीं। लोगों को सतर्क किया गया।

चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा में आज फिर होगा ब्लैकआउट

चंडीगढ़/जालंधर। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के हवाई हमलों और ड्रोन हमलों को पूरी तरह विफल करने के बाद एक बार फिर से युद्ध जैसी स्थिति से निपटने की तैयारियां परखी जाएंगी। शनिवार को चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा में ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल होगी। चंडीगढ़ में रात आठ से सवा आठ बजे तक ब्लैक आउट होगा। वहीं, हरियाणा में शाम पांच से रात नौ बजे तक नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया जाएगा। सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के पास रात आठ से सवा आठ बजे तक 15 मिनट तक ब्लैकआउट किया जाएगा।

धमकी दे रहा चीन, अब पाक के लिए भारत का पानी रोकेगा आतंकियों का दोस्त'

नई दिल्ली ■

भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी तनाव अब अंतरराष्ट्रीय मोड़ लेता दिख रहा है. इस जल विवाद में अब चीन भी खुलकर सामने आ गया है. बीजिंग स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के उपाध्यक्ष विक्टर झिकाई गाओ ने भारत को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर भारत पाकिस्तान के पानी को रोकने की दिशा में बढ़ेगा, तो चीन भी भारत की ओर आने वाले पानी को रोक सकता है.

विक्टर गाओ ने एक इंटरव्यू में कहा कि जैसे भारत की नदियां पाकिस्तान पहुंचती हैं, वैसे ही चीन की नदियां भारत आती हैं. अगर भारत सिंधु जल संधि को सस्पेंड करता है, तो चीन भी ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के बहाव को प्रभावित कर सकता है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को वही व्यवहार करना चाहिए, जैसा वह अपने लिए चाहता है—अन्यथा परिणाम गंभीर हो सकते हैं.

ब्रह्मपुत्रः चीन का जल-राजनीतिक हथियार?

ब्रह्मपुत्र नदी, जिसे तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहा जाता है, भारत और बांग्लादेश के लिए जीवनदायिनी नदी है. यह तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से गुजरती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है. गाओ के बयान के साथ यह भी सामने आया कि चीन पहले ही ब्रह्मपुत्र पर कई बड़े बांध बना चुका है और जल प्रवाह पर नियंत्रण हासिल कर चुका है. साथ ही इस साल की शुरूआत में चीन ने यारलुंग त्सांगपो पर दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत परियोजना बनाने की घोषणा की थी, जो भारतीय सीमा से बेहद करीब है. चीन का दावा है कि यह परियोजना डाउनस्ट्रीम देशों के लिए हानिकारक नहीं होगी, लेकिन भारत इस दावे से सहमत नहीं है.

ट्रम्प ने स्टील-एल्यूमीनियम पर टैरिफ 25% से 50% किया

नई दिल्ली ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्टील और एल्यूमीनियम इंपोर्ट पर टैरिफ में अपकमिंग बढ़ोतरी से 4.56 बिलियन डॉलर यानी 39 हजार करोड़ रुपए के भारतीय मेटल एक्सपोर्ट पर असर पड़ने की संभावना है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने अपने एक नई एनालिसिस रिपोर्ट में यह बात कही है। 4 जून से लागू होने वाली हाई ड्यूटीज से अमेरिकी बाजार में इंडियन मैन्युफैक्चरर्स और एक्सपोर्टर्स के लिए प्रोडक्ट कॉस्ट बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उनकी कॉम्पिटेटिवनेस पर असर पड़ सकता है। जीटीआरआई ने कहा, 'भारत पर टैरिफ में बढ़ोतरी का डायरेक्ट असर होगा। वित्त वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 4.56 बिलियन डॉलर की वैल्यू का लोहा, स्टील और एल्युमीनियम प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट किया है।' अमेरिका, भारत के मेटल सेक्टर के लिए एक प्रमुख बाजार बना हुआ है।

सीडीएस से सवाल- पाकिस्तान ने कितने भारतीय फाइटर जेट गिराए

जनरल चौहान ब्लूमबर्ग से बोले- महत्वपूर्ण यह नहीं- विमान गिरे, जरूरी यह- क्यों गिरे

नई दिल्ली ■

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने शनिवार को सिंगापुर में पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारतीय फाइटर जेट गिरने के दावों पर बात की। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे? सीडीएस ने यह बात ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में कही। वे यहां शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं।

ब्लूमबर्ग का सवालः क्या पाकिस्तान ने संघर्ष के दौरान भारतीय जेट गिराए? क्या आप इसकी पुष्टि कर सकते हैं-

जवाबः असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे और हमने उनसे क्या सीखा। भारत ने अपनी गलतियों को पहचाना, उन्हें जल्दी सुधारा और फिर दो दिन के भीतर दुश्मन के ठिकानों को लंबी दूरी से निशाना बनाकर एक बार फिर प्रभावी तरीके से जवाब दिया।

ब्लूमबर्ग का सवालः पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने 6 भारतीय जेट गिराए, क्या ये सही है?-जवाबः बिल्कुल गलत है। गिनती मायने नहीं रखती, बल्कि यह मायने रखता है कि हमने क्या सीखा और कैसे सुधार किया। इस संघर्ष में कभी भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत नहीं आई, जो कि एक राहत की बात है। इससे पहले 12 मई को एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती से पूछा गया था कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल पाकिस्तान में क्रैश हुआ या मार गिराया गया?

पाकिस्तान हॉकी महासंघ की गीदड़भभकी, भारत से मेजबानी छीनने की धमकी

कराची ■

पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) का कहना है कि अगर भारत में होने वाले हॉकी एशिया कप के लिए उसके राष्ट्रीय टीम को वीजा मिलने की गांरटी नहीं दी जाती है तो वह इस टूनार्मेंट को भारत से बाहर आयोजित करने की मांग करेगा।

मालूम हो कि हॉकी एशिया कप का आयोजन इस साल अगस्त-सितंबर में भारत में होना है। यह टूनार्मेंट काफी अहम है क्योंकि इसके विजेता को गले साल यूरोप में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से तनाव चल रहा है। इसी के बीच पीएचएफ ने गीदड़भभकी दी है। पीएचएफ के प्रवक्ता का कहना है कि महासंघ अपनी टीम को टूनार्मेंट में भेजने पर तभी विचार करेगा जब एशियाई हॉकी महासंघ और स्थानीय आयोजक वीजा जारी करने का लिखित आश्वासन देंगे। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद अगर वीजा की गारंटी दी जाती है तो हम भारत में खेलने की मंजूरी के लिए अपनी सरकार से संपर्क करेंगे।

व्यंग्य : इंदौर मेट्रो : हर किसी को नहीं मिलता ' श्रेय ' जिंदगी में..!

इंदौर में मेट्रो ट्रेन शुरू, लेकिन श्रेय का हकदार कौन कांग्रेस या बीजेपी.. उस पर यह गीत याद आया कि ' हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में, खुशनसीब हैं वो जिनको मिली ये बहार जिंदगी में '

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

अब प्यार की जगह श्रेय को लें तो 7500 करोड़ की मेट्रो परियोजना का भूमिपूजन तो मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के कमलनाथ ने इंदौर में किया था, वे शायद मेट्रो चला भी देते पर सरकार नहीं चली और श्रेय की खुशनसीबी बीजेपी को हासिल हुई और कोलकाता में41 साल पहले शुरू हुई मेट्रो के बाद अब इंदौर देश का 16 वां शहर हो गया है. प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल से इसका वर्चुअली उद्घाटन किया.!

मेट्रो भूमिपूजन में कांग्रेस फर्स्ट तो चलाने का श्रेय बीजेपी को..!

इंदौर में 7500 करोड़ की मेट्रो रेल परियोजना का भूमिपूजन मध्यप्रदेश में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किया था. 14 सितम्बर 2019 की मीडिया में पूर्व खबर इस प्रकार थी.मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में शहरी लोक परिवहन का एक नया अध्याय जुड़ गया है. मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शनिवार को 7,500.80 करोड़ रुपये की लागत वाली मेट्रो रेल परियोजना की नींव रखी.रिमझिम बारिश और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न भूमिपूजन कार्यक्रम में कमलनाथ ने शहर के एमआर-10 रोड पर टोल नाके के पास इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरूआत की.इस कार्यक्रम में सूबे के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री जयवर्धन सिंह और कुछ अन्य मंत्री तथा स्थानीय जन प्रतिनिधि मौजूद थे.खैर तब से ही बीजेपी के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह एवं कांग्रेस में इस महती परियोजना का श्रेय लेने की होड़ लगी थी. शिवराज सरकार ने सितम्बर 2023 में इस परियोजना की जिम्मेदारी तत्कालीन एमडी मनीष सिंह को सौंपी थी. उन्होंने काम को गति दी तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने ट्रायल के तौर पर हरी झंडी दिखाई थी. कांग्रेस का दावा था कि कमलनाथ ही उद्घाटन करेंगे, लेकिन उनकी सरकार 15 माह ही चल सकी और इस तरह श्रेय की दौड़ में शिवराज सिंह आगे हुए तो फिर अचानक मुख्यमंत्री बने डॉ. मोहन यादव ने इस परियोजना को और तेज गति दी जिसका ही परिणाम है कि इंदौर में मेट्रो शुरू हो चुकी है. केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अभी 6 किलोमीटर के कारिडोर में चलने वाली इस ट्रेन का रूट 17 किलोमीटर किया जाएगा, जिसमें 16 स्टेशन होंगे और यह काम 6 माह में पूरा कर लिया जाएगा. पहले चरण में 31 किलोमीटर रूट रहेगा. खैर कोलकाता फिर दिल्ली, हैदराबाद, बंगलुरु, अहमदाबाद, मुंबई के बाद अब इंदौर 16 वां शहर है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 55 देशों के 160 शहरों में मेट्रो पिछले दशकों से चल रही है और इस आधुनिक रेल सेवा में इंदौर का भी नाम जुड़ गया है.

प्रयागराज आए सीजेआई जस्टिस बीआर गवई, कहा-

योगी देश के सबसे पावरफुल मुख्यमंत्री यह भूमि भी पावरफुल लोगों की है

प्रयागराज ■

प्रयागराज में एक कार्यक्रम के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ की अनुपस्थिति में मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कार्यशैली और प्रयागराज की ऐतिहासिक धरती की सराहना की.

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि योगी आदित्यनाथ जी देश के सबसे शक्तिशाली और मेहनती मुख्यमंत्रियों में से एक हैं. मेघवाल जी ने कहा कि योगी जी इस देश के सबसे शक्तिशाली और परिश्रमी मुख्यमंत्री हैं. मैं यह कहना चाहूंगा कि प्रयागराज शक्तिशाली लोगों की धरती है.ह्व मुख्य न्यायाधीश का यह बयान न केवल योगी आदित्यनाथ की प्रशासनिक क्षमता की प्रशंसा थी, बल्कि उन्होंने प्रयागराज (पुराना नामः इलाहाबाद) की ऐतिहासिक और सामाजिक विरासत की भी सराहना की. प्रयागराज भारत के न्यायिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अहम स्थान रखता है, जहां से कई प्रभावशाली नेता, न्यायविद और समाज सुधारक निकले हैं. इस मौके पर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि प्रयागराज की धरती ने कई शक्तिशाली व्यक्तित्वों और नेताओं को जन्म दिया है, जिन्होंने देश को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई है.

लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। समाज में बड़ा परिवर्तन लाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने देवी अहिल्या के प्रेरक कथन जो कुछ भी हमें मिला है वह जनता द्वारा दिया ऋण है- जिसे हमें चुकाना है का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए कार्य कर रही है, नागरिक देवो भवः वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है, उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है, सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं-बहने -बेटियां हैं। देश में गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर घर माता -बहनों के नाम पर हैं, वे पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, माता-बहनों को असुविधा न हो और बेटियां पढ़ाई लिखाई में ध्यान दे सकें, इस उद्देश्य से बिजली, उज्जवला गैस भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधाएं माता बहनों के सम्मान का विनम्र प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही देवी अहिल्या पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने हथकरघा- हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, विभिन्न धार्मिक लोक के विकास सहित राज्य के अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवीअहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी का राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के जरी जरदोजी से बना चित्र भेंट कर अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पगड़ी पहना कर तथा बैतूल जिले के भरेवा शिल्प से निर्मित पुष्पक विमान भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक प्रदेश की चार महिलाओं ने भी स्वागत किया। इस क्रम में जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव ,ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों को समर्पित ग्राम तिरला-जिला धार की सरपंच श्रीमती आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले ने स्वागत अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ड़ॉ. यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के नायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी अहिल्याबाई होल्कर की पावन धरा पर पधारे हैं। हमारे लिए आज का दिन अद्वितीय है। लोकमाता अहिल्या महारानी का जन्म 300 वर्ष पूर्व हुआ। उन्होंने एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। देवी अहिल्या ने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया। उनके कार्यकाल को देखा जाए तो आज अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है। मध्यप्रदेश में विगत 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी अवंतीबाई ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी दुर्गावती ने भी मुगलों के सामने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर प्रदेश का मान बढ़ाया।

देवी अहिल्याबाई ने विकास के साथ विरासत को सहेजा था

मुख्यमंत्री ड़ॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी सरकार और आतंकवादियों को धूल चटाई । पूरा देश आपका अभिनंदन कर रहा है। जिन आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम किया, उन्हें सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में शिखर पर पहुंचेगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला, सांसद खजुराहो वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सूक्ष्म एवं लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, भोपाल सांसद आलोक शर्मा और भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी। कार्यक्रम में इंदौर से केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू तथा प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, दतिया से केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एंदल सिंह कंषाना, सतना से केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल तथा प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल वर्चुअली शामिल हुए।

पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी बोलीं- अहिल्याबाई ने बखूबी संभाली तिजोरी और तोपखाना भी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देवी अहिल्या की 300वीं जयंती के समापन समारोह में वक्ताओं ने देवी अहिल्या के जीवन से जुड़े प्रसंग सुनाए। बास्केटबॉल स्टेडियम में आयोजित समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि अहिल्याबाई निर्भीक भी थीं और निर्मल भी। वो तिजोरी भी संभलना जानती थीं और तोपखाना भी। उन्होंने कहा कि मालवा के साम्राज्य को चुनौती थी तो अहिल्याबाई ने मातृशक्ति की फौज बनाई। युद्ध किए बगैर कूटनीतिक जीत हासिल कर ली।

वहीं, चंद्रकला पहाड़िया ने कहा कि अहिल्याबाई के व्यवहार और सिद्धान्त में अंतर नहीं था। सती प्रथा का उन्होंने विरोध किया। अहिल्याबाई नारी शक्ति का वैश्विक प्रतिमान थीं। लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि अहिल्याबाई के पास नीति चातुर्य था। राज्य को संगठित रखने की ताकत थी। उन्होंने खुद को कभी रानी नहीं माना। उनके लिए राज्य एक परिवार था। उन्होंने कहा कि 300 साल पहले अहिल्याबाई ने दूर-दूर की यात्रा कर मंदिरों का पुनर्निर्माण कराया। उनकी दृष्टि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की थी। वहीं, नृत्यांगना सोनल मान सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई धर्मनिष्ठ थीं। वे प्रजा की भलाई के बारे में हमेशा सोचती थीं। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई गौरव सम्मान की स्थापना होनी चाहिए।

मोदी ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही देवी अहिल्या बाई पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी यहां प्रदर्शित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हथकरघा-हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

देवी अहिल्या जयंती के सभी आयोजन महिला थीम पर रहे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर सुबह से लेकर शाम तक हुए आयोजन महिला सशक्तिकरण को समर्पित रहे। हर आयोजन में महिला वर्ग की उपस्थति ज्यादा नजर आई। चाहे मेट्रो ट्रेन का सफर हो या समापन समारोह। हर बडे आयोजन में महिलाएं थी।

महिलाएं शाम को देवी अहिल्या प्रतिमा की सामूहिक आरती करने पहुंची। सुबह महिलाएं भजन मंडल में शामिल होकर भजन गाते हुए राजवाड़ा चौक की परिक्रमा करने आई थी। कई महिलाएं मराठी शैली का लुगड़ा पहन कर आई थी और देवी अहिल्या जैसा तिलक लगाकर शामिल हुई। मेट्रो ट्रेन का पहला सफर महिलाओं के लिए रखा गया। बड़ी संख्या में महिला यात्रियों ने मुफ्त की सवारी की। इसके अलावा इंदौर की एक संस्था ने अलग-अलग समाजों की महिलाओं का सम्मान किया।

गौरव दिवस की थीम रही गायब

इंदौर नगर निगम ने गौरव दिवस के रुप में देवी अहिल्या की जयंती मनाने का फैसला लिया, लेकिन किसी भी आयोजन में गौरव दिवस का उल्लेख नहीं हुआ। हर कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर ही फोकस रखा गया। नगर निगम ने जुबिनट नौटियाल के शो की घोषणा भी की थी, लेकिन बाद में उसे निरस्त कर दिया, हालांकि इसके लिए बारिश के मौसम का हवाला दिया गया।

सामुहिक एकजुटता से ही प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करेंगे : जनक पलटा मगिलिगन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विश्व पर्यावरण 2025 के उपलक्ष में जिम्मी एंड जनक मगिलिगन फाउंडेशन के पर्यावरण सप्ताह परिसंवाद के दूसरे दिन का रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड में कार्यक्रम की संयोजक जनक पलटा मगिलिगन ने सबसे पहले जानकारी दी कि यू एन ई पी द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने का वैश्विक आव्हान किया है।

इस कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि 1992 में ब्राजील में हुए प्रथ्वी सम्मेलन से प्रेरित होकर आई और 1985 में उन्होंने बरली ग्रामीण महिला विकास संस्थान की संस्थापक डायरेक्टर के नाते उस संस्थान को कचरामुक्त , प्लास्टिक-मुक्त उल्लेखनीय है कि आज भी नगर निगम को वहाँ से कचरा नहीं दिया जाता और 2011 में सनावादिया गाँव में . अपने निवास को पूरी तरह से आत्मनिर्भर, क्रामुक्त प्लास्टिक मुक्त बनाया, प्रकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों से संचालित होता है 50 पड़ोसी घरों के लिए भी स्ट्रीट लाईट देती है। वह अपना भोजन स्वयं उगाती हैं, पानी का पुनः उपयोग करती हैं और प्राकृतिक व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद बनाती हैं, जिससे प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली को अपनाया जाता है और उन्होंने 33 साल से हर साल पर्यावरण सप्ताह में लोगो को अव्हान करती है इस बार सामुहिक एकजुटता से ही हम सब मिलकर प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करेंगे। रहेजा सोलर के प्रमुख श्री वरुण रहेजा ने बताया कि उन्होंने पद्मश्री जनक पलटा मगिलिगन के मार्गदर्शन में इंटर्नशिप करते हुए सोलर ड्रायर्स की संभावनाओं को पहचाना और रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग की स्थापना की। यह संस्था आज हजारों किसानों को सशक्त बना रही है, खाद्य अपव्यय को कम कर रही है और सतत कृषि को बढ़ावा दे रही है और उन्होंने प्लास्टिक को बहुत कम किया और अब वोह प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के अभियान में जुड़ गये है उनकी अपनी कंपनी में और जुड़े सभी लोगो को प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने को प्रार्थमिकता देंगे। मुख्य वक्ता श्री वीरेंद्र गोयल ने आधुनिक जीवनशैली की छिपी लागतों पर प्रकाश डाला, यह बताते हुए कि प्लास्टिक में पैक किया गया भोजन हमारे शरीर में माइक्रोप्लास्टिक्स को प्रवेश कराता है। उन्होंने भारत की पारंपरिक, सरल जीवनशैली की ओर लौटने की वकालत की, जो स्वास्थ्य और खुशी को बढ़ावा देती है। श्री उदय भोले, जैविक सेतु के सह-संस्थापक, ने मंच की स्थापना की कहानी साझा की, जो सुलभ जैविक भोजन की आवश्यकता से उत्पन्न हुई थी। डॉ. मगिलिगन और श्री अमबरीश केला के साथ मिलकर, उन्होंने जैविक सेतु की स्थापना की, जिसका नामकरण स्वयं डॉ. मगिलिगन ने किया था। श्री भोले ने बताया कि जैविक सेतु प्रदूष्ण कम करने को प्रतिबद्ध है और पारंपरिक भारतीय ज्ञान के साथ संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया। श्री पंडित, एक आईएएस अधिकारी और पर्यावरणविद्, ने व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए (ताकत, कमजोरियाँ, अवसर, खतरे) विश्लेषण की अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने व्यक्तियों को अपनी क्षमता पहचानने और सार्थक परिवर्तन की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री तन्मय मुखर्जी ने जानकारी दी हर इन्सान 5 ग्राम प्लास्टिक खा रहा है, जो महीने में 20 ग्राम और वर्ष में 250 ग्राम तक पहुँच जाता है! उन्होंने यह भी बताया कि पहले गाँवों में अधिकतर चीजें स्थानीय होती थीं झ अब 90% चीजें बाहर से आयात हो रही हैं।

पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में जप्तशुदा लावारिस वाहनों की नीलामी प्रकिया लगातार जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में विभिन्न थाना अंतर्गत लंबे समय से धारा 25 पुलिस एक्ट (504 इल्ल२२) अंतर्गत जप्त पड़े लावारिस वाहनों की नीलामी के संबंध में कार्यवाही हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा निर्देशित किया गया है। उक्त निदेशों के अनुक्रम में नगरीय इंदौर के विभिन्न थानों में इस प्रकार के जप्त वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया लगातार की जा रही हैं।

इसी कड़ी में नगरीय जोन-03 के पुलिस थाना संयोगितागंज इंदौर पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/पुलिस उपायुक्त जोन-03 के आदेश से धारा 504 इल्ल२२ में जप्तशुदा 299 वाहनों की नीलामी प्रक्रिया सहायक पुलिस उपायुक्त की कमेटी द्वारा विधिवत की जाकर विज्ञप्ति के माध्यम से आवेदन प्राप्त किये और उनकी बोली के आधार पर उक्त वाहनों को नीलाम कर 30,47,000/- रुपए की राजस्व राशि शासन के खाते में जमा कराई गई। इसी प्रकार नगरीय जोन-02 के पुलिस थाना खजराना पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/ पुलिस उपायुक्त जोन-02 के आदेशानुसार थाने पर रखे 25 पुलिस एक्ट के 34-ई बाईक की नीलामी हेतु सहायक पुलिस आयुक्त व थाना प्रभारी खजराना की उपस्थिति में उक्त वाहनो कि नीलामी की गई जिसमे समस्त वाहनो की नीलामी 18500/- रुपए में कर राजस्व राशि प्राप्त की गई। इंदौर नगरीय जोन-04 के पुलिस थाना जूनी इंदौर पर जप्तशुदा वाहनों के संबंध में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/ पुलिस उपायुक्त जोन-4 के आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 व सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इन्दौर द्वारा थाना जूनी इन्दौर पर धारा 25 पुलिस एक्ट में जुप्तशुदा कुल 21 वाहनों की नीलामी हेतु प्रक्रिया अनुसार विज्ञप्ति समाचार पत्रो के माध्यम से जारी कराई जाकर खरीददारों से विधिवत प्रक्रिया अनुसार आवेदन पत्र प्राप्त कर बोली लगाकर उक्त वाहनों को 93,800/रुपए मे नीलाम किया गया और प्राप्त राशि को शासकीय खजाने में जमा कराया गया। इस प्रकार थाना परिसरों में रखें 354 वाहनों को नीलाम कर ना केवल थाने से कबाड़ रूप में रखी गाड़ियों को विक्रय कर, परिसर को साफ व रिक्त हुआ वही शासन हित में 31,59,300/- रुपए के राजस्व की भी प्राप्ति हुई। उक्त प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जीवन एक अनुपम उपहार है...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

आइए दोस्तों, आज के लेख की शुरुआत एक कहानी से करते हैं। बात कई साल पुरानी है, राजपुर के राजा राजवेंद्र जंगल में शिकार के लिए गए। संयोग से उस दिन काफ़ी कोशिश करने के बाद भी उन्हें शिकार करने में सफलता नहीं मिली। इस सब में वे काफ़ी थक गए और उन्हें प्यास लगने लगी। पास में ही लकड़ी काट रहे लकड़हारे ने राजा की समस्या को समझा और राजा को पीने का पानी उपलब्ध करवाया।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

लकड़हारे से मदद पा राजा एकदम प्रसन्न हो गए और उसी प्रसन्नता के साथ लकड़हारे से बोले, कभी राजधानी आओ, वहाँ मैं तुम्हें पुरस्कृत करूँगा। लकड़हारे ने हाँ में सर हिलाया और राजा से विदा लेकर अपने काम में लग गया। कई वर्षों बाद राजधानी की यात्रा के दौरान लकड़हारे को राजा की बात याद आई और वह तुरंत राजा के पास पहुँच गया। लकड़हारा कुछ कहता उससे पहले ही राजा ने उसे पहचान लिया और उसका स्वागत-सत्कार करने लगा। अंत में जब लकड़हारा राजा से विदा लेकर जाने लगा तब राजा ने उसे अपने वादे अनुसार उपहार में एक चंदन का बाग दिया। अब लकड़हारा तो लकड़हारा ठहरा, अपनी पुरानी आदत के अनुसार, अगले दिन से उसने चंदन की लकड़ी को काट-काटकर कोयला बनाना और फिर बेचना शुरू कर दिया। कुछ ही वर्षों में धीरे-धीरे करके पूरा चंदन का बाग नष्ट हो गया। एक दिन अचानक ही राजा के मन में विचार आया कि क्यों ना लकड़हारे से मिला जाये और चंदन के बाग का हाल देखा जाये। विचार आते ही राजा चंदन के बाग पहुँचे और यह देख चकित रह गये कि लकड़हारा इतने कीमती चंदन को सिर्फ कोयले के लिए जला रहा है। राजा ने लकड़हारे को रोका और उसे चंदन की लकड़ी का एक छोटा सा टुकड़ा देकर बाजार में बेचने के लिए भेजा। लकड़हारे को उस लकड़ी की क़ीमत, कोयले के मुकाबले कई गुना अधिक मिलती है। यह देख वह पछताता है, रोता है और अपनी भूल पर दुखी होता है और अंत में राजा के सामने एक और चंदन के वन के लिए गिड़गिड़ाने लगता है।

दोस्तों, यह सिर्फ़ एक कहानी नहीं है, बल्कि हमारे जीवन का सच्चा चित्रण है। हमारा शरीर चंदन का बाग है, और हमारी स्वाँस चंदन के पेड़ों के समान अनमोल है। लेकिन दुर्भाग्य से, हम इन साँसों को क्रोध, ईर्ष्या, लालच, द्वेष, झगड़े, तनाव और नकारात्मक सोच की अग्नि में जलाते रहते हैं और कभी भी जीवन की और अपनी स्वाँस की सही क़ीमत नहीं पहचान पाते हैं। सोच कर देखियेगा दोस्तों, हममें से ज्यादातर लोग यकीनन अपने जीवन रूपी अमूल्य ऊर्जा को उन बातों में बर्बाद कर रहे हैं, जिनका कोई स्थायी महत्व नहीं है। लेकिन जब हमारा शरीर चूकने याने जीवन ख़त्म होता और साँसें समाप्त होती लगने लगती है, तब हमें समझ आता है कि हमने क्या और कितना खो दिया है। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दोस्तों, अगर मेरी उपरोक्त बात से सहमत हों तो खुश हो जाइयेगा क्योंकि अभी देर नहीं हुई है! हमारे पास आज शरीर याने चंदन का बाग और स्वाँस याने चंदन का पेड़ दोनों सलामत हैं। जिसका सीधा-सीधा अर्थ है कि हम आज और अभी अपने जीवन को सँवार सकते हैं और जो साँसें अभी हमारे पास बची हैं, उनसे एक नया, सुंदर और सकारात्मक जीवन बना सकते हैं। इसके लिए बस आपको योग, ध्यान, आत्मचिंतन, प्रेम, भाईचारा, शांति, और सहयोग के मार्ग पर चलना होगा। जब हम दूसरों की मदद करते हैं; लोगों को सच्चे मन से माफ करना सीखते हैं; नफरत की जगह प्रेम के मार्ग को अपनाते हैं, तो हमारा जीवन भी उसी चंदन की तरह महकने लगता है।

याद रखियेगा, जीवन एक अमूल्य उपहार है और उसे हमें नकारात्मकता की आग में जलाकर कोयला नहीं बनाना है। इसलिए जीवन के सौंदर्य को पहचानिए और उसके हर क्षण को मूल्यवान बनाइए और आज ही निर्णय लीजिए कि आप अपने जीवन के चंदन को जलाएँगे नहीं, बल्कि उससे दुनिया को महकाएँगे क्योंकि सकारात्मक सोच, प्रेम और आत्मचिंतन से भरा जीवन - यही असली सफलता है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर इंदौर में निकाली गई जनजागरूकता रैली

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज 31 मई को इंदौर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या और सिविल सर्जन डॉ. जी.एल. सोढ़ी के मार्गदर्शन में दंत चिकित्सा विभाग द्वारा तम्बाकू सेवन न करने के लिए एक रैली का आयोजन किया गया। इसकी थीम अपील को उजागर करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना थी।

रैली के माध्यम से नागरिकों को तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही नागरिकों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। नागरिकों को तंबाकू छोड़ने तथा तंबाकू और इसके उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई गई। तंबाकू सेवन को रोकने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पारस कुमार रावत, डेंटल सर्जन डॉ. यशोदीप चौहान, डॉ. तृप्ति सिंह भाटी एवं डॉ. नीति पंडित द्वारा तंबाकू परामर्शदाता श्रीमती अर्चना भुजाडे के साथ मिलकर नागरिकों को तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए विभिन्न गतिविधियां करायी गई। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग तथा मध्यप्रदेश वॉलेण्टरी हेल्थ एसोसिएशन के द्वारा आमजन में जागरुकता उत्पन्न करने हेतु जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला तम्बाकू नोडल डॉ. शरद गुप्ता, मध्यप्रदेश वॉलेण्टरी हेल्थ एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मुकेश सिन्हा भी उपस्थित थे।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड
रविवार 1 जून, 2025
महानगर
इंदौर

अतिवृष्टि/बाढ़ आपदा की स्थिति के नियंत्रण हेतु पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक 2 को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा से निपटने एवं नियंत्रण के संबंध में सभी संबंधित विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैठक 2 जून को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष क्रमांक-102 में दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर आकर नव उद्घाटित मेट्रो रेल परियोजना संचालन का लिया जायजा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम को इंदौर आये। इंदौर एयरपोर्ट से सीधे नव उद्घाटित मेट्रो रेल परियोजना के गांधीनगर क्षेत्र में स्थित देवी अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां से उन्होंने मेट्रो रेल में बैठकर सफर किया। वे सैकड़ों महिला यात्रियों के साथ सफर में अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन से झलकारी बाई मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे। उसके पश्चात वहां से वापस अहिल्याबाई मेट्रो स्टेशन आए। इस दौरान वे इंजन में पहुंचे तथा उन्होंने मेट्रो रेल संचालन की व्यवस्थाओं को देखा। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों से चर्चा कर मेट्रो रेल संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपने सफर के दौरान महिला यात्रियों से भी चर्चा की और उनके अनुभव जाने। स्टेशन पहुंचते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस दौरान नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ तथा सुश्री उषा ठाकुर, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण कुमार चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह तथा कलेक्टर श्री आशीष सिंह भी उनके साथ थे। उल्लेखनीय की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज ही लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के माध्यम से इस मेट्रो रेल परियोजना का शुभारंभ किया। बताया गया कि इंदौर की मेट्रो रेल परियोजना का यह प्रथम चरण है। प्रथम चरण में 1520 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह येलो लाइन मेट्रो 6 किलोमीटर लंबाई के रूट पर चलेगी। इस मेट्रो रेल में सभी आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलेगी। प्रति ट्रेन में 900 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। स्टेशनों को भी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर, अक आधारित ट्रैकिंग एवं क्यूआर आधारित टिकटिंग प्रणाली से सफर को स्मार्ट बनाया गया है।

देवी अहिल्या की नगरी से महाकाल की नगरी तक जाएगी मेट्रो ट्रेन

इंदौर। इंदौर में शनिवार को मेट्रो का संचालन शुरू हुआ। शाम को मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर पहुंचे और मेट्रो ट्रेन में मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों के साथ यात्रा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अहिल्या देवी अच्छी शासक थी। उनका राज सुशासन की एक मिसाल है। यह गौरव की बात है कि उनकी जयंती पर इंदौर में मेट्रो ट्रेन का लोकार्पण हुआ।अहिल्या माता की जन्म जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है और उस समय यह शुरूआत इंदौर के इतिहास में चार चांद लगाने वाली है इंदौर में पहले बैलगाड़ी, टेंपो चलते थे, लेकिन अब शहरवासी मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल रही है।

सुरक्षा, संचालन से स्वच्छता तक महिला शक्ति ने संभाली मेट्रो की कमान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में मेट्रो की शुरूआत कई मायने में मील का पत्थर साबित हुई। मां अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती पर शुरू हुई मेट्रो का संचालन से लेकर सुरक्षा तक का काम महिलाओं ने संभाला। आज सुबह मेट्रो के शुभारंभ का कार्यक्रम शुरू होने से पहले हर जगह महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया। स्टेशन पर एंट्री से लेकर मेट्रो में व्यवस्था संभालने की बात हो या फिर कार्यक्रम के बाद में स्टेशन की सफाई की जिम्मदारी हो। हर काम को महिलाओं ने बखूबी संभालकर एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं।

मेहनत सफल हो गई

मेट्रो में सबसे अधिक खुश महिलाओं की वो टीम नजर आ रही थी जिसने मेट्रो को शुरू करने के लिए दिनरात मेहनत की। मेट्रो जनरल कंसल्टेंट टीम की महिला मेंबर भी मेट्रो में सवार थीं। टीम की अर्पिता ने बताया, हम बहुत लकी फील कर रहे हैं कि आज फाइनली मेट्रो की शुरूआत हो रही है। क्योंकि इसके लिए हम सभी ने काफी मेहनत की है, जिसमें अथॉरिटीज और गवर्नमेंट का बहुत सपोर्ट रहा। आज महिलाओं को सफर करवाया और हर काम महिलाएं संभाल रही हैं यह भी हम सभी के लिए गर्व की बात है।

स्वच्छताकर्मियों को दिया सम्मान

मेट्रो के शुभारंभ के मौके पर स्वच्छताकर्मियों को भी सम्मान दिया गया। बड़ी संख्या में नगर निगम ने महिलाओं को आमंत्रित किया और उन्हें मेट्रो की पहली राइड में शामिल किया। सभी महिला स्वच्छताकर्मियों ने कहा कि आज के दिन वह बहुत गौरव महसूस कर रही हैं क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मप्र सरकार के अथक प्रयासों से यह ट्रेन शुरू हुई और महिलाओं को विशेष सम्मान दिया गया।

सुरक्षा में भी संभाली कमान

स्टेशन पर हर जगह सुरक्षा व्यवस्था में महिला सुरक्षाकर्मियों को लगाया गया था। मेट्रो स्टेशन के बाहर एंट्री और एग्जीट से लेकर मेट्रो के अंदर सफर के दौरान भी महिला सुरक्षाकर्मियों ने ही व्यवस्था को संभाला था।

12 ज्योतिर्लिंग बनाकर लाएउ

मेट्रो में सवार शैलजा ने बताया हम मेट्रो में 12 ज्योतिर्लिंग बनाकर लाए हैं। आज हम सुबह राजबाड़ा भी गए और अहिल्या माता की 300वीं जयंती पर उनके लिए भजन भी गाए। मेट्रो के पूरे सफर में हमने भगवान शिव को भी साथ रखा। जल्दी यह मेट्रो हमें महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन भी ले जाएगी।

महिलाओं को प्राथमिकता दी गई

स्पोर्ट्स टीचर शिवानी पवार ने कहा कि मेट्रो के पहले सफर में महिलाओं को प्राथमिकता देना बहुत ही अच्छा कदम है। इससे पता चलता है कि समाज कितना बदल रहा है। महिलाओं को हर जगह आगे किया जा रहा है और उन्हें हर क्षेत्र में बेहतर मौके मिलने लगे हैं। यह बदलाव के अच्छे संकेत हैं।

हौसला भारी, उत्साह जबरदस्त

इंदौर की ही 30 साल की दिव्यांग महिला पूजा शर्मा व्हीलचेअर पर बैठकर मेट्रो स्टेशन पहुंची। वे बचपन से ही दिव्यांग हैं, लेकिन उनकी इच्छा थी कि वे इस क्षण का गवाह बनें तो अपने भाई के साथ व्हीलचेअर पर मेट्रो में बैठने के लिए आईं। उन्होंने कहा कि वे इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनकर अभिभूत हैं।

बारिश से फल बीमार, 3 रुपए किलो तरबूज, मौसंबी पाइनापल भी आधे दाम, किसान हताश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

1 महीने की बेमौसम बारिश और तेज हवा-आंधी से तापमान लगातार गिरने के साथ ठंडक के साथ उमस भी है। इसका असर फलों पर भी साफ दिख रहा है। आवक तो खूब हो रही है पर खरीदार कम ही हैं। थोक में आम 30 से 50 रु. किलो आ गया है है तो खरबूजा और तरबूज 3 रुपए किलो तक बिकने से किसानों को मंडी भाड़ा भी नहीं मिल रहा है।

मार्च से ही इंदौर के रेडियस 100 किलोमीटर में किसानों ने रबी सीजन के बाद खाली खेती की जमीन पर तरबूज और खरबूजे की भर पल्ले खेती की थी। उत्पादन भी अच्छा रहा, लेकिन उनको लागत भी निकलना इस बार मुश्किल हो रहा है। यहां तक कि पिछले एक सप्ताह में मंडी भाड़ा भी नहीं निकलने से किसान मुआवजा तक की मांग करने लग गए हैं। इंदौर के चोइथराम मंडी में तरबूज 3 से 5 और खरबूजा 3 से 4 रुपए प्रतिकिलो तक बिक गया है, जिसके चलते किसानों को मंडी आने की लागत भाड़ा भी नहीं निकल रहा है।

बारिश और ठंडक की पड़ रही मार

लिंबोदी के किसान नेता कमल सिंह डाबी, लसूड़िया के दिलीपसिंह पवार ने बताया कि फल उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए और नुकसानी के समय सरकार को मिनिमम 10 रु. किलो और किसानी की मेहनत का मुआवजा भी मिलना चाहिए। बेमौसम बारिश के चलते ठंडक और उमस होने से आमजन भी जूस को कम ही पसंद कर रहा है, जिससे मौसंबी और पाइनापल का उठाव नहीं होने से दाम में 20 से 30 रुपए प्रतिकिलो की गिरावट दर्ज की गई है। मौसंबी 25 से 45 रुपए और पाइनापल 20 से 40 रुपए किलो बिक रहा है। तेज हवा आंधी में आम की आवक तो बढ़ी है, दाम भी 30 से 50 रुपए तक नीचे आए हैं पर आमजन को 60 से 80 रु. ही खरीदना पड़ रहा है। मंडी में व्यापारी नरेश फुदवानी ने बताया कि बादाम 30 से 50 रुपए, सुंदरी के भी दाम तकरीबन यही है।

उर्स की चादर में सेना के सम्मान में गूंजे तराने

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इसको समझो अपनी जान, अपना देश है हिन्दोस्तान, दिल दिया है, जां भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए जैसे तराने सेना के सम्मान में गूंजे। मौका था हजरत दावलशाह वली के 19वें उर्स में चादर शरीफ के जुलूस का।

उर्स कमेटी के संयोजक हाजी सोहराब पटेल,अध्यक्ष सादिक पटेल ने बताया असर की नमाज बाद शाम 6 बजे परम्परागत सूफियाना रिवाज के साथ उर्स की शुरूआत हुई। तिरंगे झंडे के साथ चादर शरीफ का जुलूस बांक की मक्का मस्जिद से शुरू हुआ। मगरिब की अजान से पहले चादर दरगाह पर पेश करने के साथ देश की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। इस मौके पर हाजी सोहराब पटेल, दिलीप राजपाल, आम्बा खेड़ी के सूफी सलाम सुल्तान बा, दौलत पटेल, अभिनव शुक्ला, हाजी इसहाक सेठ, सूफी जावेद बाबा, सोहेल पटेल, जुबैर पटेल (पटेल प्रॉपर्टी), अनीस खान, सन्नी पटेल, अंसार लाला, अवैस खान, अब्दुल गफ्फार, बोहरा समाज के हकीमुद्दीन आसिफ, कुदरत कबाड़ी, सिंहासा के पूर्व सरपंच घनश्याम पटेल, एहसान ठेकेदार सहित हजारों अकीदतमंद और सूफी संत भी मौजूद थे।बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं भी शामिल हुई। मक्का मस्जिद के इमाम मौलाना अनीकुर्रेहमान नूरी ने फातिहा पढ़ी। प्रारंभ में चादर जुलूस के साथ कव्वाल अहमद चिश्ती ने सेना के सम्मान में वतन से मोहब्बत के तराने सुनाकर खूब माहौल बनाया। उन्होंने सुनाया- जां भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए, इस पे लुटा दो जाँ भी अपनी और करो सम्मान, इसको समझो अपनी जान, अपना देश है हिन्दोस्तान। उन्होंने सूफियाना कलाम भी पेश किया कि- मोरे अंगना मोइनुद्दीन आयो री, आज मोरे घर धूम मची है, दावल शाह बाबा की शादी रची है, फूलों से सजाई है दावलशाह वली की चादर, रहमत में नहाई है दावलशाह वली की चादर जैसे कलाम के साथ चादर को चूमते हुए लोग चल रहे थे। बैंड बाजे के साथ धूमधाम से चादर का जुलूस निकाला। मगरिब की अजान से पहले चादर पेश की गई,नमाज बाद लंगर भी दरगाह के पास हुआ। तीन दिवसीय उर्स में आज 31 मई सनीचर को रात को कव्वाली की महफिल बड़े पैमाने पर रोज सजेगी।जिसमें मुंबई के कव्वाल शाह मुराद आतिश सूफियाना कव्वाली सुनाएंगे। उर्स के आखिरी दिन 01 जून को सुबह 10 बजे रंगे महफिल, 11 बजे लंगर होगा। उर्स में सभी धर्मों के लोग मिल जुलकर शामिल होते हैं।

समीकरणों के बदलाव की आहट, राज्यसभा में बढ़ सकती हैं विपक्ष की सीटें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अगले माह 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु की 6 सीटों के लिए मतदान होना है तो वहीं असम की दो सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। ये सीटों राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के 6 सदस्य जुलाई में रिटायर होंगे, जबकि असम के दो सदस्यों का जून महीने में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु में जिन 6 सीटों पर इलेक्श होना है, उनमें से तीन पर अब तक डीएमके के सदस्य थे।

इसके अलावा तीन सीटों पर पीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके के मेंबर सांसद थे। इससे संभावना है कि विपक्ष की सीटें बढ़ सकती हैं।फिलहाल तमिलनाडु विधानसभा का जो समीकरण है, उसके हिसाब से डीएमके का नंबर तीन से 4 हो सकता है। इसके अलावा यदि कांग्रेस के साथ सहमति बनी तो फिर डीएमके एक सीट उसे भी दे सकती है। ऐसा होने पर भी विपक्षी गठबंधन के खाते में ही एक और सीट जाएगी। इसी तरह असम के आंकड़ों को देखते हुए भी विपक्ष के खाते में एक सीट का इजाफा हो सकता है। फिलहाल जो मेंबर रिटायर हो रहे हैं, वे भाजपा और असम गण परिषद के सदस्य हैं, लेकिन विधानसभा का जो समीकरण है, उस लिहाज से चुनाव की स्थिति में एक सीट भाजपा को मिलेगी तो वहीं एक अन्य सीट कांग्रेस या फिर उसके सहयोगी को मिल सकती है। इस तरह चुनाव के बाद राज्यसभा में विपक्ष की सीटें 91 हो सकती हैं, जो अभी 89 ही हैं। इसके अलावा एनडीए की सीटें जो फिलहाल 128 हैं, वे घटकर 126 ही रह सकती हैं। बता दें कि हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में चुनावी हार के बाद विपक्ष के लिए यह राहत भरी खबर होगी।

यूथ कांग्रेस के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के फाइनल लिस्ट में घमासान, आपराधिक मामलों की पहुंची शिकायतें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस ने कई सालों बाद चुनाव करने का निर्णय लिया है। जिसकी प्रक्रिया चल रही है। फेयर उम्मीदवारों को लेकर कर घमासान मचा हुआ। जिस वजह से फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं हो पा रही है। दरअसल चुनाव से पहले निर्देश जारी हुए थे कि अपराधिक प्रकरण दर्ज होने पर कोई कार्यकर्ता उम्मीदवार नहीं बन पाएगा। साथ ही एज लिमिट भी रखी गई थी। ऐसो लोगों की ऑनलाइन शिकायत का भी प्रावधान रखा गया था।

अब उम्मीदवारों की शिकायतों का अंबार लग गया है। 11 मई तक उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी होनी थी, लेकिन नॉमिनेशन फॉर्म की स्क्रूटनी में उम्मीदवारों के फाइनल नाम तय करने में कमेटी के पसीने छूट रहे हैं। जानकारी के अनुसार इतनी शिकायतें पहुंच गई है कि कमेटी को शिकायत का पोर्टल बंद करना पड़ गया है। जबकि शिकायत के लिए एक हजार की फीस भी रखी गई है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यूथ कांग्रेस में जिला अध्यक्षों के लिए जिन लोगों ने अपना नामांकन भरा है। उनमें से 70 प्रतिशत लोगों की शिकायत कमेटी के पास पहुंची है। अब ऐसे में उम्मीदवार तय कर पाना कमेटी के लिए बहुत ही चुनौती पूर्ण काम लग रहा है। हालाकि कमेटी का कहना है कि जल्द ही फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

100 ज्यादा ब्लॉकों से नहीं आए एक भी नामांकन

जानकारी के अनुसार ब्लॉक अध्यक्षों के लिए प्रदेश के 1100 ब्लॉक में से करीब 100 से ज्यादा ब्लॉकों से एक भी नामांकन नहीं आए हैं। वहीं करीब 700 ब्लॉकों से सिंगल आवेदन आए हैं। ऐसे में पार्टी को एक और बार आवेदन करने की छूट देनी पड़ सकती है। या सिंगल नाम वाले ब्लॉकों में बगैर चुनाव कराए ही उम्मीदवारों की घोषणा करनी पड़ेगी। जिन ब्लॉकों से नाम नहीं आए हैं वहां दोबारा से आवेदन कराना ही पड़ेगा अन्यथा सीटें खाली रह जाएंगी।

चुनाव के लिए जारी कार्यक्रम का विवरण

अप्रैल माह में यूथ कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की समय सारणी जारी किया था,जिसके अनुसार 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कोऑर्डिनेटर जिलों का दौरा करेंगे। नॉमिनेशन 27 अप्रैल से 6 मई तक चलेंगे। दावे आपत्तियों और सुनवाई 28 अप्रैल से 7 मई तक होगी। वहीं, नॉमिनेशन फॉर्म्स की स्क्रूटनी 7 मई से 9 मई तक की जाएगी। यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर 11 मई तक सभी फाइनल कैंडिडेट किए जाएंगे। वहीं, कुछ जिलों में एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। एससी/ एसटी के लिये आरक्षित जिलों में सागर, देवास, जबलपुर (शहर) पांडुनर्ना, गुना, बुरहानपुर और सतना का नाम है।

उम्मीदवारों पर सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस की शिकायत

उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस की शिकायतें आई हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए बनाएगी कमेटी लगातार उम्मीदवारों की जांच कर रही है। कमेटी के लोगों को विधिक जानकारी नहीं होने की वजह से इसका सत्यापन कर पाना बहुत ही मुश्किल हो रहा है। साथ ही कांग्रेस सत्ता से भी बाहर है इसलिए सरकारी तंत्र का भी सहयोग नहीं ले सकते।

दो तीन दिन में लिस्ट जारी करने का दावा

प्रदेश रिटर्निंग ऑफीसर (पीआरओ) मुकुल गुप्ता ने बताया कि हम आपराधिक प्रकरणों की जांच कर रहे हैं। जैसी ही जांच पूरी होगी दो-तीन दिन में हम उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर देंगे। गुप्ता ने बताया कि जहां से एक भी नाम नहीं आए हैं वहां चुनाव होने के बाद युवाओं की तलाश की जाएगी।

इंदौर के आईटीआई कैम्पस में 2 जून को लगेगा रोजगार मेला

इंदौर। राज्य शासन की मंशा अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार आवेदकों हेतु युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक संयुक्त रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन सोमवार, 2 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर के साथ-साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

सतना एयरपोर्ट का शुभारंभ, छह महिलाओं ने भरी पहली उड़ान, खुशी से खिले चेहरे, पीएम को कहा शुक्रिया

सतना ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक मौके पर सतना जिले को पहली बार हवाई सेवा की सौगात मिली। उद्घाटन के साथ ही यहां से हवाई यात्रा की शुरूआत हो गई। कार्यक्रम के पहले दिन छह आदिवासी महिलाओं को सतना से रीवा और वापस सतना तक की हवाई यात्रा कराई गई। हवाई चप्पल पहनने वाली ये महिलाएं जब विमान में बैठीं, तो उनके चेहरों की खुशी देखने लायक थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए कहा कि यह उनके जीवन का अविस्मरणीय पल था। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरली किशन माहुल और प्रदेश के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल कार्यक्रम में मौजूद रहे। सांसद गणेश सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट पर रनवे और अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

फिलहाल छोटे विमान की सुविधा

फिलहाल यहां से भोपाल और इंदौर के लिए आठ सीटर विमान सेवा शुरू हो चुकी है। यह विमान बुधवार को छोड़कर हर दिन सुबह 10 बजे भोपाल के लिए उड़ान भरेगा। अभी 19 सीटर छोटे विमानों के लिए सुविधा उपलब्ध है, क्योंकि रनवे की लंबाई केवल 1200 मीटर है। भविष्य में रनवे का विस्तार कर बड़े विमानों की सेवा शुरू करने की योजना है।

पीएम का जताया धन्यवाद

कार्यक्रम में शामिल नागरिकों ने कहा कि अब सतना, मैहर और चित्रकूट आने-जाने वाले यात्रियों को हवाई यात्रा की सुविधा मिलेगी, जिससे समय की बचत होगी। साथी लोगों ने सतना को हवाई सेवा देने पर प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैप्टन मोहिंदर ने बताया गर्व का पल

वहीं, सतना से महिलाओं के साथ उड़ान भरने वाली कैप्टन मोहिंदर कौर ने बताया कि आदिवासी महिलाओं के साथ उड़ान भरने से गर्व महसूस हुआ। महिलाओं ने उड़ान भरते समय गीत गाए। साथ ही भारत माता और पीएम नरेन्द्र मोदी के लिए जयकारे लगाए।

राम राजा सरकार के दर पर श्रद्धालु की मौत

छतरपुर। एमपी के ओरछा के विश्व विख्यात रामराजा सरकार के दर्शन के दौरान एक श्रद्धालु की मौत हो गई। मंदिर के दर पर ही उनकी तबियत अचानक खराब हो गई और कुछ ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया। दर्शन करते वक्त श्रद्धालु को अचानक दिल का दौरा पड़ा। वे वहीं गिर पड़े। वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालु को सीपीआर दिया और फिर अस्पताल ले गए जहां उनकी मौत हो गई। वे पुष्य नक्षत्र में रामराजा सरकार के दर्शन करने ओरछा आए थे। जब यह घटना घटी उस वक्त जिले के एसपी रायसिंह नरवरिया भी मंदिर परिसर में ही थे और व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। भिंड के बहादुर पुरा रोन के निवासी जनक बघेल अपने दोस्तों के साथ राम राजा सरकार के दर्शन करने मंदिर आए थे। मंदिर में प्रवेश करते समय दरवाजे पर ही उनकी हालत बिगड़ गई और वे गिर गए। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था जिसपर इंस्पेक्टर संदीप यादव ने सीपीआर दिया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। अस्पताल में 50 साल के जनक बघेल की मौत हो गई। मंदिर में दोपहर करीब 12 बजे यह घटना घटी। जनक बघेल पुष्य नक्षत्र में रामराजा सरकार के दर्शन के लिए भिंड से ओरछा आए थे।

स्कार्पियो और छोटा हाथी में शराब तस्करी, पुलिस ने पकड़ा, चार लाख की अवैध शराब बरामद

शिवपुरी ■

शिवपुरी जिले की करैरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार शराब तस्करों को गिरफ्तार कर 1245 लीटर अवैध शराब बरामद की है। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में कुल 110 पेटी अवैध शराब जब्त की गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत थाना करैरा में प्रकरण क्रमांक 430/25 दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो वाहनों में मिली अवैध शराब

एक संयुक्त पत्रकारवार्ता में करैरा (एसडीओपी शिवनारायण मुकाती और करैरा थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्वालियर के मोहना से अवैध शराब से भरी दो गाड़ियां करैरा क्षेत्र में प्रवेश कर रही हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने अपनी टीम के साथ बताए गए स्थान पर दबिश दी पुलिस ने मौके से एक लोडिंग वाहन (छोटा हाथी, एमपी 33 बीई-0837) और एक स्कार्पियो (एमपी09 एनके-0111) को पकड़ा। पहले वाले लोडिंग वाहन से 55 पेटी बोल्ड बीयर, 30 पेटी ब्लैक फोर्ड बीयर और 7 पेटी देशी प्लेन शराब बरामद की गई, वहीं स्कार्पियो से 18 पेटी देशी प्लेन शराब पाई गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की पहचान सोनू प्रजापति (24), निवासी कुम्हरपुरा, थाना करैरा और पुष्पेन्द्र लोधी (29), निवासी आगरा, थाना पिछोर, प्राण सिंह यादव (52), निवासी ग्राम चौका, हाल निवासी डेनिडा के पास करैरा, फूल सिंह लोधी (41), निवासी ग्राम आगरा, थाना पिछोर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में सभी आरोपियों के पास शराब रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया।

छात्रों ने प्रिंसिपल केबिन के बाहर लगाया भाजपा सदस्य का पोस्टर, बीजेपी का पट्टा पहन लेना चाहिए

रीवा ■

मध्यप्रदेश के रीवा जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां टीआरएस कॉलेज में एनएसयूआई के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। छात्रों के द्वारा प्रिंसिपल के केबिन के बाहर भाजपा सदस्य का पोस्टर लगा दिया गया।

एनएसयूआई कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि छात्र-छात्राओं के ऊपर दबाव बनाकर कॉलेज बुलाया गया और बसों में भरकर भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम ले जाया गया। साथ में शिक्षक भी गए। इधर, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि छात्र-छात्राओं का दुरुपयोग करके भाजपा के कार्यक्रम में भेजा जा रहा है। जो कि बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टीआरएस महाविद्यालय की प्रिंसिपल मैडम को भाजपा का पट्टा का पहन लेना चाहिए और प्रिंसिपल केबिन को भाजपा कार्यालय घोषित कर देना चाहिए। छात्रों की ओर से सवाल किया गया कि क्या कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी पार्टी के कार्यालय में जाकर पार्टी कार्यक्रम में शामिल हो सकता है। अगर हां तो प्रिंसिपल मैडम को बीजेपी का पट्टा पहन लेना चाहिए। राजनीतिक रसूख के दम पर दोहरा मापदंड एनएसयूआई बिल्कुल नहीं बर्दाश्त करेगी। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो शिक्षक वहां छात्र छात्राओं को लेकर राजनैतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने गए थे। उन्हें तत्काल पद से मुक्त किया जाए। अभी तक तो छात्र छात्राओं को पीएम, सीएम और मंत्रियों के कार्यक्रम में भीड़ बनाने का इस्तेमाल करती थी। भाजपा अब तो अपने कार्यालय में भी भीड़ बनाने के लिए छात्र-छात्राओं का उपयोग करती है।

मुंबई के लिए एक और उड़ान

भोपाल ■

मध्यप्रदेश से मुंबई का सफर अब और आसान हो रहा है। प्रदेश की राजधानी से मुंबई के लिए एक और उड़ान चालू हो रही है। भोपाल के राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यह नई फ़्लाइट पहली बार 1 जून को उड़ान भरेगी। इस भोपाल मुंबई फ़्लाइट का संचालन एयर इंडिया करेगी। खास बात यह है कि एयर इंडिया की इस नई फ़्लाइट में अधिकांश सीटें बुक हो चुकी हैं।

एयर इंडिया भोपाल से मुंबई के लिए अतिरिक्त उड़ान शुरू कर रहा है। यह उड़ान सेवा सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार के लिए उपलब्ध रहेगी। केंद्रीय विमानन मंत्रालय ने एयर इंडिया को इसकी अनुमति जारी कर दी है। राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार एयर इंडिया ने इसके लिए 1 जून से 30 जून तक शेड्यूल फाइनल कर लिया है। डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन से मंजूर शेड्यूल के अनुसार एयर इंडिया की यह फ्लाइट शाम 6:05 बजे मुंबई से रवाना होगी और रात 7:45 बजे भोपाल के राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। भोपाल एयरपोर्ट से यह रात 8:15 बजे वापस मुंबई रवाना होगी। एयर इंडिया की यह फ्लाइट 10:05 बजे मुंबई पहुंच जाएगी। मुंबई भोपाल के बीच इसके अलावा एक अतिरिक्त उड़ान शेष तीन दिनों के लिए संचालित होगी। यह उड़ान शाम 7:35 पर भोपाल आएगी एवं 8:15 पर भोपाल से मुंबई के लिए रवाना हो जाएगी। एयर इंडिया की 1 जून से शुरू होनेवाली भोपाल-मुंबई एयर फ्लाइट की 90 प्रतिशत से ज्यादा सीटें बुक हो चुकी हैं। फ्लाइट के लिए 162 सीटर एयर बस चुनी गई जिसमें बिजनेस क्लास की 12 सीटें हैं। फ्लाइट में तुरंत बुकिंग पर किराया 9 हजार रुपए तय किया गया है।

कांग्रेस नेता की होटल में मिली लाश, मचा हड़कंप

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित होटल में कांग्रेस नेता की लाश बिस्तर पर पड़ी मिली। जिसके बाद हड़कंप मच गया। उनके मुंह से झाग निकल रहा था। जिसके चलते पुलिस मामले को आत्महत्या का मान कर चल रही है। बताया जा रहा है कि मृतक कांग्रेस नेता 28 मई को सतना से भोपाल आए थे और होटल में रुके हुए थे। कांग्रेस नेता ने गुरुवार रात को होटल के वेटर से कहा था कि शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे उठा दें। इसके बाद अगले दिन वेटर उनके कमरे के बाहर पहुंचा और उन्हें आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद वेटर कमरे में गया तो कांग्रेस नेता की लाश बिस्तर पर पड़ी हुई थी। वेटर ने होटल मालिक को घटना की जानकारी दी और फिर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला।

मध्यप्रदेश में सेंट्रल जीएसटी का ताबड़तोड़ एक्शन, 7 कारोबारियों के ठिकानों पर छापे

सतना ■

मध्यप्रदेश में शनिवार को सेंट्रल GST ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए सतना जिले के सात कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। सेंट्रल जीएसटी की सात अलग अलग टीमों ने सातों कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर छापे मारे हैं। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान सभी सातों कारोबारियों के यहां से कुल मिलाकर करीब पांच करोड़ से ज्यादा की कर चोरी मिलने की संभावना जताई जा रही है। सेंट्रल जीएसटी की टीमें इन सभी व्यापारियों के फेक आईटीसी पास ऑन करने के संबंध में जांच करने पहुंची थीं।

सेंट्रल जीएसटी का ताबड़तोड़ एक्शन

सेंट्रल जीएसटी की सात अलग-अलग टीमों ने शनिवार को जिले के अलग-अलग विकासखण्डों के सात प्रतिष्ठानों में दबिश दी है। इनमें चार फर्मे सतना शहर, दो उचेहरा व एक चित्रकूट में स्थित है। जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक सतना की जेएलसी इंफ्रा इंस्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने तो तुरंत ही 20 लाख रुपए जमा भी कर दिए हैं और दूसरी फर्म स्ट्रील फेब्रिकेटेड ने 30 लाख रुपए जमा कराने की बात कहते हुए कुछ वक्त मांगा है। बताया जा रहा है कि सातों कारोबारियों के यहां से कुल मिलाकर 5 करोड़ से ज्यादा की कर चोरी के खुलासे की संभावना है।

इन 7 फर्मों पर पड़े छापे- 1- अमन इंटरप्राइजेज पतेरी, 2- जेएलसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड नई बस्ती, 3- आरआर स्टील फैब्रिकेटर नई बस्ती, 4- होलकर कंस्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर्स सतना, 5- रज्जू पाण्डेय चित्रकूट, 6- संदीप इंटरप्राइजेज अमरपाटन, 7- पुष्पा कुशवाहा अमरपाटन।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग संभाग,क्र 2 इंदौर
E-mail ID:- eepwd2ind@mp.nic.in Phone No 0731-2490964

निविदा आमंत्रण सूचना क्रं:–06 /व.ले.लि./2025–26 इन्दौर दिनांक 28.05.2025

निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रू.)	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_426185_1	तलावली पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य (मय विद्युत लाईन एवं अन्य युटिलिटि शिफ्टिंग सहित) लम्बाई 1.15 किमी	इंदौर	172.13	172130/-	12500/-	लो.नि.वि. में केन्द्रीकृत पंजीकृत	09 माह वर्षाकाल सहित
2	2025_PWDRB_426186_1	मगरखेडा पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य (मय विद्युत लाईन एवं अन्य युटिलिटि शिफ्टिंग सहित) लम्बाई 1.20 किमी.	इंदौर	165.20	165200/-	12500/-	लो.नि.वि. में केन्द्रीकृत पंजीकृत	08 माह वर्षाकाल सहित
3	2025_PWDRB_426187_1	गौतमपुरा से खरसोदा मार्ग निर्माण (मय विद्युत लाईन एवं अन्य युटिलिटि शिफ्टिंग सहित) लम्बाई 1.40 किमी.	इंदौर	115.36	115360/-	12500/-	लो.नि.वि. में केन्द्रीकृत पंजीकृत	07 माह वर्षाकाल सहित
4	2025_PWDRB_426188_1	यशवंतसागर मिर्जापुर अरनिया बडोदिया खाडिया उजालिया खतोडिया रुद्राख्या मार्ग पर 3 नग बाक्स क्लर्वट एवं पहुंच मार्ग लम्बाई 0.15 किमी.का निर्माण।	इंदौर	88.34	88340/-	10000/-	लो.नि.वि. में केन्द्रीकृत पंजीकृत	06 माह वर्षाकाल सहित
	योग			541.03				

1. उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. पेन कार्ड , 4. एफिडेविट 5. जी.एस.टी.एंन न 6. .आधार कार्ड एवं रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र, एवं अन्य विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की तिथि दिनांक 31.05.2025 सुबह 10.00 से दिनांक 09.06.2025 सायं 18:00 बजे तक निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एंव अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार होगे भौतिक रूप से एफ.डी.आर स्वीकार नही होगी ।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाईट पर ही किया जावेगा, ।

G-13638/25

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग क्र 2, इंदौर

एमएसपी में वृद्धि :कृषि और किसान कल्याण को गति !

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन(मार्केटिंग) सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी है, यह कृषि और किसान कल्याण के विचार से एक स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अच्छी बात है कि आज भारत सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही साथ उत्पादन की लागत घटाने की दिशा में लगातार अपना फोकस कर रही है। बहरहाल, अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना के अंतर्गत ब्याज छूट को जारी रखने और आवश्यक निधि व्यवस्था को भी मंजूरी दी है। पाठकों को बताता चलूं कि पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि रामतिल (820 रुपये प्रति क्विंटल) के लिए की गई है, इसके बाद रागी (596 रुपये प्रति क्विंटल), कपास (589 रुपये प्रति क्विंटल) और तिल (579 रुपये प्रति क्विंटल) के लिए एमएसपी में वृद्धि की गई है। निश्चित ही एमएसपी में वृद्धि से उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित हो सकेगा। कहना गलत नहीं होगा कि खरीफ सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी का यह एक ऐतिहासिक निर्णय है।

सुनील कुमार महला
(लेखक)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

सभी फसलों की एमएसपी में वृद्धि देशभर की औसत उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना सुनिश्चित करते हुए की गई है। वास्तव में सरकार का यह निर्णय हमारे देश के किसानों को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम कहा जा सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर अपेक्षित मार्जिन बाजरा (63 प्रतिशत) के मामले में सबसे अधिक होने का अनुमान है, उसके बाद मक्का (59 प्रतिशत), तुअर (59 प्रतिशत) और उड़द (53 प्रतिशत) का स्थान है. शेष फसलों के लिए, किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर मार्जिन 50 प्रतिशत होने का अनुमान है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज कृषि और किसान कल्याण के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। मसलन, आज किसानों को आज क्रेडिट कार्ड के तहत कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो रहा है। किसानों को सस्ती खाद,बीज उपलब्ध करवायें जा रहे हैं और फर्टिलाइजर पर भी सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि भारत सरकार की एक पहल है, जो किसानों को न्यूनतम आय सहायता के रूप में प्रति वर्ष ?6,000 तक देती है। पाठकों को बताता चलूं कि इस पहल की घोषणा पीयूष गोयल ने 1 फरवरी 2019 को भारत के अंतरिम केंद्रीय बजट 2019 के दौरान की गई थी। हाल फिलहाल, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि के तहत सामान्य धान के लिए एमएसपी में 3% की वृद्धि की गई है, जो अब ?2,369 प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जबकि ग्रेड ए किस्म ?2,389 प्रति क्विंटल पर उपलब्ध होगी। ये पिछले वर्ष की तुलना में ?69 की वृद्धि को दशार्ती है। दालों में, तुअर (अरहर) के लिए एमएसपी को ?450 बढ़ाकर ?8,000 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द में ?400 की वृद्धि करके ?7,800 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मूंग के एमएसपी को एडजस्ट किया गया है, जो ?86 बढ़ाकर ?8,768 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। बहरहाल, अच्छी बात है कि सरकार ने खरीफ की फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा जरूर कर दी है लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि सरकार इस पर प्रभावी निगरानी रखें और यह

सुनिश्चित करें कि इसका क्रियान्वयन भी धरातल पर सही तरीके से हो सके। इसके साथ ही सरकार को विभिन्न दीर्घकालिक कृषि सुधारों पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। पाठक जानते हैं कि भारत विश्व का एक बड़ा कृषि प्रधान देश है और यहां की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। ऐसे में फसलों के समर्थन मूल्यों में बढ़ोत्तरी से भारतीय कृषि क्षेत्र निश्चित ही मजबूत और सुदृढ़ हो सकेगा। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि एमएसपी यानी कि न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था की स्थापना वर्ष 1965 में कृषि मूल्य आयोग (एपीसी) (जिसे बाद में सीएसीपी नाम दिया गया) की स्थापना करके की गई थी, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने और किसानों को बाजार मूल्यों में महत्वपूर्ण गिरावट से बचाने के लिए बाजार हस्तक्षेप का एक रूप था। दूसरे शब्दों में कहें तो एमएसपी दरअसल वह तयशुदा मूल्य होता है, जो किसानों को बाजार में उनकी उपज के मूल्य से अप्रभावित रहते हुए दिया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य या यूं कहें कि एमएसपी का फायदा यह होता है कि बाजार में फसलों की कीमतों में भले ही कितना ही उतार चढ़ाव क्यों न हो, यदि किसी फसल की एमएसपी(न्यूनतम समर्थन मूल्य) तय होती है तो भी किसान को फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (सरकार द्वारा तय) तो मिलता ही है। मतलब यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उत्तार-चढ़ाव का असर किसानों पर नहीं पड़ता है। गौरतलब है कि फसलों के हर मौसम से पहले सरकार कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिश पर एमएसपी(न्यूनतम समर्थन मूल्य) तय करती है।ताजा निर्णय के तहत ज्वार, बाजरा और रागी इत्यादि फसलों की एमएसपी भी बढ़ा दी गई है। विभिन्न कारणों से आज भारतीय कृषि में खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। किसानों को असामान्य जलवायु परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जैसा कि भारतीय कृषि को 'मानसून का जुआ' कहा जाता है। वैश्विक मंदी के कारण आज बाजार भी लगातार अस्थिरता से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में सरकार द्वारा धान एवं दालों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से जहां एक ओर देश के लाखों-करोड़ों किसान लाभान्वित हो सकेंगे, वहीं दूसरी ओर उन्हें कृषि उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन मिल सकेगा। इससे देश की खाद्य सुरक्षा भी कहीं न कहीं सुनिश्चित हो सकेगी, लेकिन कहना गलत नहीं होगा कि एमएसपी का प्रभावी कार्यान्वयन बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है, क्यों कि बिचौलिए आज भी एक बड़ी समस्या हैं। अंत में यही कहूंगा कि किसान और कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं। आज जरूरत इस बात की है कि खेती से बिचौलियों की भूमिका को खत्म करने की दिशा में आवश्यक व जरूरी कदम उठाए जाएं। कृषि क्षेत्र में आज फसलों के भंडारण की समस्या भी बहुत बड़ी समस्या है। हमारे यहां विदेशों की भांति पारदर्शी खरीद तंत्र विकसित नहीं है। फसलों की बाजार तक पहुंच भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। आज भारतीय कृषि में दीर्घकालिक सुधारों की आवश्यकता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि कृषि में दीर्घकालिक सुधार का अर्थ है एक ऐसी प्रणाली विकसित करना जो खाद्य उत्पादन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए, कृषि क्षेत्र को टिकाऊ और लाभदायक बना सके।इस सुधार में भूमि पुनर्जनन, जैव विविधता का संरक्षण, और नई तकनीकों(सिंचाई, गुणवत्तापूर्ण बीज, तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण) का उपयोग शामिल है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अहिल्याबाई त्रिशताब्दी महोत्सव, वंशजों नंगे पांव उठाई पालकी, गेहूं और दाल से हुआ तुलादान

खरगोन ■

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर शनिवार को महेश्वर नगर में एक भव्य और ऐतिहासिक राजशाही पालकी यात्रा निकाली गई। इस मौके पर नगर में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला देखी गई, जिनमें होलकर राजपरिवार की उपस्थिति और सहभागिता विशेष आकर्षण रही।

सुबह आयोजन की शुरूआत राजगादी पूजन से हुई, जहां महाराज शिवाजीराव होलकर द्वितीय, युवराज यशवंतराव होलकर तृतीय सहित समस्त होलकर राजपरिवार ने माता अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद ढोल-नगाड़ों और शंखध्वनि के साथ मातोश्री की पालकी यात्रा का शुभारंभ हुआ। पालकी राजवाड़ा परिसर से निकलकर नगर के भवानी माता चौक पहुंची। यहां माता अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भवानी माता का पूजन किया गया। यात्रा फिर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः राजवाड़ा पहुंची। विशेष बात यह रही कि महाराज शिवाजीराव होलकर द्वितीय और युवराज यशवंतराव होलकर तृतीय ने स्वयं नंगे पांव

पालकी यात्रा में पैदल चलकर न सिर्फ अपनी परंपरा निभाई, बल्कि राजवंश की मातोश्री के प्रति श्रद्धा का भावपूर्ण परिचय दिया। उन्होंने पालकी को कंधों पर उठाकर अपनी जिम्मेदारियों और संस्कारों की परंपरा को जनमानस के समक्ष सजीव कर दिया। नगर की महिलाओं, बच्चों, गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुजनों ने बढ़-चढ़कर इस ऐतिहासिक यात्रा में भाग लिया। विधायक राजकुमार मेव भी समय से पूर्व उपस्थित रहे और जनमानस के साथ कदम से कदम मिलाकर इस भव्य आयोजन का हिस्सा बने।

मानपत्र विरासत मित्र सम्मान

इस अवसर पर तुलसाबाई हेमराज ढाकले को विरासत मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। वृद्धावस्था में भी वे बजनी नामक पारंपरिक धागा बनाने के कार्य में लगी हुई हैं, जो आज भी पूरे भारत में दुर्लभ है। उनके योगदान को होलकर परिवार ने भावपूर्वक सम्मानित किया, जो सामाजिक सरोकार और विरासत संरक्षण का सुंदर उदाहरण बना।

तुला दान से लोकसेवा

राजगादी पर मातोश्री के प्रतीकात्मक चित्र को रखकर 62 किलोग्राम गेहूं और दाल से तुला दान किया गया, जो प्रतीकात्मक रूप से अहिल्याबाई के वजन के बराबर रहा। यह अन्न अन्नक्षेत्रों को अर्पित किया गया, जिसमें वृद्धकालेश्वर मंदिर, राजराजेश्वर मंदिर, नर्मदा पाठशाला, मोनी बाबा आश्रम और सप्तमातृका आश्रम शामिल हैं।

सेवा, श्रद्धा और समन्वय

शाम को दहन स्थल पर विशेष पूजन संपन्न हुआ। पक्षियों और मछलियों को आटे की गोलियां अर्पित की गईं। साथ ही, धार्मिक समन्वय की परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरुद्वारे में वस्त्रदान, मजार पर चादर चढ़ाना और चर्च में दान कार्य किए गए।

मातृ शक्ति का शिव आराधन

एक विशेष आयोजन में 300 मातृ शक्तियों ने पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया और दुग्धाभिषेक के साथ शिव आराधना की। इसके बाद नर्मदा घाट पर भव्य नर्मदा महा काकड़ आरती का आयोजन हुआ, जिसमें नगरवासियों की अपार उपस्थिति ने पूरे वातावरण को श्रद्धा और भक्ति से सराबोर कर दिया।

महेश्वर अहिल्या घाट पर यहां शक्ति के शिवलिंग निर्माण का दिखा अद्भुत दृश्य

खरगोन ■

महेश्वर के ऐतिहासिक अहिल्या घाट पर शनिवार शाम मातोश्री अहिल्याबाई होलकर के वंशजों (राज परिवार) की ओर से विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 300 मातृशक्तियों ने मिलकर 360 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। यह आयोजन भारतीय संस्कृति में नारी की आध्यात्मिक भूमिका को उजागर करता है और शिव आराधना की प्राचीन परंपरा को वर्तमान सामाजिक संदर्भ में पुनर्जीवित करता है।

पार्थिव शिवलिंग भारतीय शास्त्रों में विशेष फलदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि पार्थिव शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और शिव कृपा सहज भाव से प्राप्त होती है। इस आयोजन की विशिष्टता यह रही कि शिवलिंग निर्माण और पूजन की समस्त प्रक्रिया महिलाओं ने संपन्न कराई। इस दौरान कन्याएं, गृहणियां और वरिष्ठ महिलाएं सम्मिलित रहीं। मातृशक्ति की यह भूमिका केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक भी है। जहां एक ओर यह प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के सामूहिक संकल्प और आत्मबल को भी प्रकट करती है।

धरती मां को भी नमन

आयोजन सदस्या गीता सोलंकी के अनुसार, मिट्टी से शिवलिंग बनाना न केवल शिव की भक्ति है, यह धरती मां को भी नमन है। जब महिलाएं अपने हाथों से सृजन करती हैं, तो वह सिर्फ धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सृष्टि को सहेजने की प्रक्रिया होती है। इस अवसर पर राज परिवार के महाराज शिवाजी राव होलकर द्वितीय, युवराज यशवंतराव होलकर तृतीय और अतिथियों के समक्ष घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार, सामूहिक पूजन, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। स्थानीय महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। कई परिवारों ने इसे अपनी पीढ़ी के लिए संस्कार पर्व के रूप में भी मनाया। देवी अहिल्या की तरह महेश्वर की मातृशक्ति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि जब नारी धर्म और संस्कृति की धारा से जुड़ती है, तो वहां केवल आस्था नहीं, एक चेतनशील ऊर्जा जन्म लेती है, जो समाज को दिशा देने में सक्षम है।

योगिता ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के माध्यम से दिशा सिलाई केंद्र स्थापित किया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। बड़वानी जिले के ग्राम बोरलाय निवासी श्रीमती योगिता पाटीदार दिशा स्व सहायता समूह से 2019 से जुड़ी हुँ समूह में जुड़ने से पहले किसी भी ऐसे कार्य की तलाश में थी जहाँ मुझे ससम्मान कार्य कर कुछ आय प्राप्त हो सके चूंकि मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी ऐसे समय में मुझे मेरे किसी रिश्तेदार से सहायता लेना ठीक नहीं लगा क्योंकि हम कब तक किसी अन्य पर निर्भर रहते तभी 2019 में समुह में जुड़ी जुड़ने के बाद मुझे सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त प्राप्त हुआ और साथ ही छत्स्ड साथ एनजीओ में मुझे टेनर का कार्य मिलने लगा सथोड़ी आय होने लगी, थोड़ी हिम्मत और बड़ी मेरा धीरे-धीरे ग्रुप बनने लगा जिसमें हम समुह को मिलने वाली सिलाई का का कार्य

करने लगे सो हमने बोरलाय गाँव में ही सिलाई सेन्टर स्थापित किया जिसका नाम हमनें दिशा आजिविका सिलाई सेन्टर रखा मुझे समय समय पर मिशन व बैंक से सलाह व ऋण मिलता रहा सभी के मार्गदर्शन से हमनें 1800000 का प्रधानमंत्री रोजगार श्रृजन योजना में ऋण प्राप्त कर खुद का सेन्टर स्थापित किया है आज आर्थिक पारिवारिक व सामाजिक सभी जगह सम्मानजनक स्थिति है।

तीन जिलों में सक्रिय चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, जेवरात सहित 15 लाख का माल बरामद

सागर ■

तीन जिलों में सूने घरों को निशाना बनाने वाले 2 चोर केसली पुलिस के हाथ लगे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी सागर के अलावा नरसिंहपुर व रायसेन जिले में भी कई चोरी की वारदात कर चुके हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से चोरी किए सोने-चांदी के जेवरात व नकदी मिलाकर कुल 15 लाख रुपए का माल बरामद किया है। दोनों चोर विदिशा कोतवाली थाना क्षेत्र के जतरापुरा मोहल्ला निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार 18 मई को केसली के वार्ड नंबर-1 निवासी 69 वर्षीय सुदामा प्रसाद पुत्र बद्री प्रसाद उपाध्याय ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया कि सुबह करीब 10 बजे वह घर पर ताला

पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से बाकी माल बरामद करने सहित अन्य मामलों में पूछताछ के लिए उन्हें रिमांड पर लिया है।

हरिराम मानकर, थाना प्रभारी, केसली

लगाकर परिवार के साथ सागर गए थे। शाम करीब 5 बजे जब वापस घर लौटे तो दरवाजे पर लगा ताला टूटा था, अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। चोर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात व 1.25 लाख रुपए नकद चुराकर ले गए। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और चोरों की तलाश शुरू की। केसली थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना स्थल का निरीक्षण कर एफएसएल की मदद से साक्ष्य एकत्रित किए। वहीं थाना स्तर पर एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश में लगाया। आरोपियों को पकडने.में तकनीकी साक्ष्य मददगार बने। संदेह के आधार पर विदिशा सिटी कोतवाली क्षेत्र के जतरापुरा मोहल्ला निवासी 19 वर्षीय जिमी पुत्र बबलू आदिवासी (पारदी) व 20 वर्षीय आरेस पुत्र रमतीलाल आदिवासी (पारदी) को अभिरक्षा में लेकर केसली थाना लेकर आए। दोनों संदिग्धों से जब सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी जिमी आदिवासी से सोने-चांदी के जेवरात व 30400 रुपए नकदी को मिलाकर कुल 6 लाख 19 हजार 666 रुपए का मशरुका व आरोपी आरेस आदिवासी से सोने-चांदी के जेवरात व 43 हजार रुपए नकद मिलाकर कुल 8 लाख 80 हजार 334 रुपए का माल बरामद किया है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में वन्य जीव गणना के दौरान बायसन का हमला, वनरक्षक गंभीर रूप से घायल

मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत फेन अभयारण्य में वन्यप्राणी गणना के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब एक जंगली बायसन ने ड्यूटी पर तैनात वनरक्षक दिलीप कुमार रजक पर अचानक हमला कर दिया। हमले में वनरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें पहले बिछिया अस्पताल, फिर मंडला जिला अस्पताल और अंततः जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना रविवार सुबह बाबूझिरिया बीट की है, जहां वनरक्षक दिलीप रजक 'फेज-4 ट्रांजेक्ट लाइन सर्वे' के तहत वन्यप्राणियों की गणना कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकले एक बायसन ने उन पर अचानक हमला कर दिया। बायसन के तेज सींगों की चपेट में आकर दिलीप रजक के पेट और सीने में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर पास ही मौजूद अन्य वनकर्मी मौके पर पहुंचे और तत्काल सूचना परिक्षेत्र अधिकारी रेवाराम झरिया को दी। रेवा झरिया ने तुरंत घायल वनरक्षक को बिछिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एम्बुलेंस से मंडला जिला चिकित्सालय लाया गया। सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे के अनुसार, दिलीप रजक की रीढ़ की हड्डी और पसलियों में फ्रैक्चर है, साथ ही पेट में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है, जहां विशेषज्ञों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। कान्हा टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर (कोर) पुनीत गोयल ने बताया कि घायल वनरक्षक जबलपुर के अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्हें मल्टीपल फ्रैक्चर और मांसपेशियों में भी गंभीर चोटें आई हैं। वन विभाग द्वारा इलाज और परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

चलती बस में चालक को आया हार्ट अटैक, डोलने लगा था वाहन, फिर ड्राइवर की ऐसे बची जान

सीहोर ■

सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के ग्राम जामुनिया बाजयप्ता से यात्रियों को लेकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भोपाल जा रही बस के चालक को बस चलाते समय हार्ट अटैक आ गया। बस में उपस्थित पचौर के ग्राम रोजगार सहायक अमित शर्मा और कोटवार की त्वरित सूझबूझ और समझदारी से एक बड़ा हादसा रोक लिया गया।

दरअसल, एक बस भैरूंदा तहसील के जामुनिया बाजयप्ता से यात्रियों को लेकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल जा रही थी। बस में करीब 50 से अधिक यात्री सवार थे। बताया जाता है कि भोपाल के पास पहुंचकर अचानक बस

के चालक संदीप को हार्ट अटैक आ गया और चलती हुई बस डगमगाने लगी। उसी समय बस में मौजूद ग्राम रोजगार सहायक अमित शर्मा ने कोटवार की सहायता से बस को संभाला और बस रोककर तुरंत बस चालक को सीपीआर देना शुरू किया। अमित ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत सीहोर कलेक्टर बालागुरु के., एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी और तहसीलदार सौरभ शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इस घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर बालागुरु के. ने भैरूंदा एसडीएम मदनसिंह रघुवंशी, तहसीलदार सौरभ शर्मा और समीपस्थ अधिकारियों को घटनास्थल पर तत्काल स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम और तहसीलदार ने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से बस चालक को पास ही स्थित अस्पताल में भर्ती कराया और एसडीएम मदनसिंह रघुवंशी ने इलाज के तत्काल 25 हजार रुपये की राशि अस्पताल के खाते में ट्रांसफर की।

मप्र में नौतपा के सातवें दिन भी जारी रही बारिश का दौर, 41 डिग्री पहुंचा पारा

भोपाल ■

मध्य प्रदेश में मई महीने शुरू होते ही बारिश शुरू हो गई थी एक दिन भी ऐसा नहीं गया जब बारिश नहीं हुई हो। शनिवार को मौसम बदला रहा कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच तक उमरिया में पांच, मलाजखंड में तीन मिलीमीटर वर्षा हुई। जाबकि सबसे गर्म टीकमगढ़ रहा यहां क अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को शहडोल, सागर, ग्वालियर, चंबल, इंदौर, नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने के आसार हैं। हालांकि दिन के तापमान में कुछ बढ़ोतरी भी हो सकती है। मौसम विभाग द्वारा जारी आकड़े के अनुसार मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान रायसेन में 33.6, खजुराहो में 13.6, दमोह में 11, गुना में 5.7, सिवनी में चार, जबलपुर में 3., रीवा में 1.6, सागर में 0.4 मिमी. वर्षा हुई। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि फिलहाल बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर हो गया है और मेघालय की ओर बढ़ गया है। इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान, मध्य उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर हवा के ऊपरी हिस्से में चक्रवात सक्रिय हैं, जो प्रदेश के मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। हालांकि अरब सागर में कोई नया सिस्टम नहीं बना है, इसलिए फिलहाल जोरदार बारिश की संभावना कम है।

संसद के दोनों सदनों मे महासचिव पद पर असंवैधानिक नियुक्ति ?

भारत के लोकतंत्र की आत्मा संसद है

संसद की प्रशासनिक रीढ़ उसका सचिवालय और निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 98 मे स्पष्ट रूप से लोकसभा और राज्यसभा के लिए स्वतंत्र सचिवालय सेवा की स्थापना, कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रक्रिया और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। यह प्रावधान संसद को कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। पिछले दो दशकों से, इस संवैधानिक भावना एवं नियमों की खुली अवहेलना हो रही है। जिसके कारण संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं हो पा रही है। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक पदों पर संविधान का उल्लंघन करते हुए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों की नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं। यह पद संसदीय सचिवालय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। सचिवालय के सारे अधिकार लोकसभा अध्यक्ष और

सनत जैन
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

राज्यसभा में सभापति के अधीन होते हैं। अब यहपरंपरा और अधिकार एक तरह से समाप्त होता जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। बल्कि लोकतंत्र के स्तंभों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को समाप्त करते हुए, सीधे-सीधे संविधान का उल्लंघन है। पूर्व में संसद सचिवालय सेवा से जुड़े विद्वान अधिकरी जैसे सुभाष कश्यप या योगेंद्र नारायण जैसे अधिकारियों ने इन पदों की गरिमा को स्थापित किया। संविधान और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए नियम और कानूनों को बनाने में बेहतर योगदान दिया। जिसके कारण भारत की संसदीय परंपरा सारी दुनिया में स्थापित हुई। सारी दुनिया में संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर भारत का एक विशेष स्थान बना। वर्तमान में राजनीतिक कृपा प्राप्त अधिकारियों के कारण क्षीण होती जा रही है। आईएएस या अन्य सेवाओं के अधिकारी कार्यपालिका से सीधे जुड़े होते हैं। संसद के सचिवालय में उनकी नियुक्ति सत्ता के नियंत्रण का द्वार खोल देती है। वह सत्ता में बैठे हुए लोगों के इशारे में काम करते हैं। जिसके कारण संसदीय परंपराएं एवं संविधान की मूल भावना धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। सांसदों के अधिकार सीमित होते जा रहे हैं। जिस तरह से नियम और कानून संसद में बनाए जा रहे हैं। हो-हल्ले के बीच कानूनों को पास किया जा रहा है। संसद के अधिकार सरकार के जिम्मे किये जा रहे हैं। संसदीय नियमों की अवहेलना हो रही है। बार-बार नियमों मे संशोधन हो रहे हैं। जिसके कारण संसद, सांसदों, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की गरिमा

भी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह स्थिति न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता और उनकी स्वतंत्रता पर भी कुठाराघात है। महासचिव जैसे पद पर बैठा अधिकारी सरकार से प्रभावित है। सरकार के कहने पर वह निर्णय कर रहा है। संसद की रिपोर्टों को सरकार को लीक करता है, या रोकता है। सांसदों की टिप्पणियों को दबा रहा है। संसदीय प्रक्रियाओं को पक्षपातपूर्ण सरकार के दबाव में उनमें बदलाव कर रहा है। इससे संसद की स्वतंत्रता, संविधान के प्रति जवाबदेही, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की शक्ति को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, संसद के भीतर की नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं संवैधानिक अनुशासन की पुनर्स्थापना हो। सुप्रीम कोर्ट और संसद की आंतरिक समितियों को इस गंभीर उल्लंघन पर संज्ञान लेना चाहिए। लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है, जब उसके स्तंभ स्वतंत्र और संवैधानिक मयार्दा के अधीन हों। पिछले एक दशक में सरकार द्वारा बहुमत के आधार पर जिस तरह से संसद की कार्यवाही संचालित की जा रही है लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति आंख मूंदकर सरकार की बात को मानकर संसद की कार्यवाही को बहुमत के आधार पर चला रहे हैं। उसके परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय में सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालय में कार्यपालिका के अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे पद प्रशासनिक अधिकारियों के पास पहुंच गए हैं। जिनकी चाबी सरकार के पास होती है। लोकसभा और राज्यसभा के सत्र कम से कम होते चले जा रहे हैं। सरकार उन्हीं मामलों में चर्चा करती है, जिसमें वह कराना चाहती है। विपक्ष की आवाज पूरी तरह खत्म हो गई है। सांसदों को संसद के अंदर बोलने का मौका नहीं मिलता है। सांसदों को सदन के अन्दर जो बोलने की स्वतंत्रता थी, वह भी खत्म हो चली है। इसके लिए लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति जिम्मेदार हैं। जो सरकार की मंशा के अनुसार संसद की कार्यवाही को चला रहे हैं। संसद में सरकार के बिल हो हल्ले के बीच बिना चर्चा के पास हो रहे हैं। जिसके कारण अब संसद का वह महत्व नहीं रहा, जो संविधान ने उसे दिया था। लोकसभा का अध्यक्ष या राज्यसभा का सभापति सभी दलों के सांसदों के हितों की रक्षा करने वाला होता है। वह किसी राजनीतिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। पिछले कुछ सालों में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे ऐसा प्रतीत होता है, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का पद भी सरकार के अधीन हो गया है। अन्यथा, क्या कारण है कि जब सांसदों द्वारा सरकार से प्रश्न पूछे जाते हैं। किसी विषय में चर्चा कराना चाहते हैं। आसंदी उनके प्रश्न और उनकी मांग को ठुकराकर वही निर्णय करती है, जो सरकार चाहती है। संसद के सत्र इतने छोटे क्यों किये जा रहे हैं। अब सांसद स्वतंत्रता के साथ अपनी बात भी सदन के अंदर नहीं रख पाते हैं। सांसदों से संसद में अपनी बात रख पाने के पहले, उनसे प्रमाण मांगा जाता है। अध्यक्ष और सभापति को सांसदों के अधिकारों और संविधान के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता संविदान द्वारा दी गई थी। उस पर अब सरकार का दबाव बन गया है। संसद सचिवालय की यह अवहेलना धीरे-धीरे लोकतंत्र को निरर्थक बना देगी। अब यह कहा जाने लगा है, संसद पर सरकार का कब्जा हो गया है? संसद के पदाधिकारी एवं सांसद अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं नहीं कर पा रहे हैं। आम नागरिकों के मौलिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा किस तरह से कर पाएंगे। केन्द्र की तरह अब राज्यों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। जो चिंताजनक है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

राष्ट्र की प्रगति के हित में हों छात्र आंदोलन

(अमेरिका के व्हाइट हाउस के सामने इंडिया अब्रॉड टीवी चैनल को पूर्व यूजीसी अध्यक्ष एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इंदौर विश्वविद्यालय और सागर विश्वविद्यालय में कुलपति रहे प्रो. डी. पी. सिंह ने एक विशेष साक्षात्कार दिया, जिस पर आधारित है यह आलेख। उन्होंने छात्र नेतृत्व और शिक्षा सुधारों पर विचार साझा करते हुए कहा कि भारत में छात्र आंदोलनों को राष्ट्रीय हित में होना चाहिए और कॉलेज परिसरों में शांति व अनुशासन बनाए रखना चाहिए।)

प्रो. डी.पी.सिंह
लेखक

छात्र आंदोलन लोकतंत्र का हिस्सा होते हैं। छात्रों में ऊर्जा और जुनून होता है, जो देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकता है। शर्त यह है कि ये प्रयास राष्ट्रीय एकता को ठेस न पहुंचाएं या शैक्षणिक माहौल को बाधित न करें। छात्र नेता होना और विभिन्न मुद्दों के लिए खड़ा होना है, लेकिन मूल्यों और अनुशासन के साथ। ऐसे आंदोलन जो हिंसा फैलाएं या दूसरों को नुकसान पहुंचाएं, वे सही रास्ता नहीं हैं। हाल में देखा गया कि कुछ विश्वविद्यालयों में जो छात्र आंदोलन हुए वो रास्ता भटक गए और अकादमिक विकास की बजाय राजनीतिक झगड़ों में तब्दील हो गए। इससे शिक्षा व्यवस्था की छवि खराब होती है और सीखने का समय बर्बाद होता है। ऐसे में आंदोलनरत छात्रों को शांति से बहस और चर्चा करनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को सीखने, शोध और राष्ट्रीय विकास के केंद्र होना चाहिए, न कि संघर्ष का स्थान। भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी छात्र आबादी बहुत बड़ी है। अगर छात्र अपनी आवाज को समझदारी से इस्तेमाल करें, तो वे समस्याएं हल करा सकते हैं और देश को आगे बढ़ा सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक मिशन है जो शिक्षा की गुणवत्ता सुधारता है, छात्रों को कुशल बनाता है और वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करता है। इस नीति के तहत अब छात्रों को विषयों का चुनाव, स्किल ट्रेनिंग और डिजिटल लर्निंग के विकल्प मिल रहे हैं। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम से शिक्षा में लचीलापन आया है। हमें जॉब क्रिएटर चाहिए, सिर्फ जॉब सीकर नहीं। नेप नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। जहां तक मातृभाषा में शिक्षा का सवाल है तो इसमें छात्र गहराई से विषय को समझ पाते हैं और अपनी संस्कृति पर गर्व भी करते हैं। ऐसे में छात्रों को चाहिए कि वे इन परिवर्तनों का लाभ उठाएं और नकारात्मक आंदोलनों में समय बर्बाद करने की बजाय नवाचार और विकास में भाग लें। यहां यह समझ लें कि अनुशासन का मतलब चुप्पी नहीं होता। छात्र सवाल कर सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं, यहां तक कि विरोध भी कर सकते हैं, लेकिन सम्मान और जिम्मेदारी के साथ। जान लें कि शिक्षा एक मजबूत राष्ट्र की नींव है। नारेबाजी से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, गहरी सीख और सच्चाई के साथ खड़े होकर नेता बनते हैं। वर्तमान में भारत को ऐसे छात्र नेताओं की जरूरत है जो अपने समूह से अधिक देश की सोचें। ऐसे में विश्वविद्यालयों को भी चाहिए कि वे खुली चर्चा, नियमित मार्गदर्शन और मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दें। आजादी की लड़ाई से लेकर विज्ञान और समाज सुधार तक, छात्रों ने ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ देश को दिशा दी है। हमें वही जोश फिर से लाना चाहिए। छात्र ऐसे भारतीय बनें जो ज्ञान, शांति और प्रगति में विश्वास रखते हों। छात्र आंदोलन जरूरी हैं, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय मूल्यों, शांति और बेहतर भविष्य की भावना से संचालित होना चाहिए। सूचित, जागरूक और सक्रिय होना अच्छा है, लेकिन इसके साथ-साथ सम्मान, विनम्रता और जिम्मेदारी भी जरूरी है। अब जरुरत इस बात की है कि विश्वविद्यालय नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास और नेप पर अधिक वर्कशॉप और सत्र आयोजित करें ताकि छात्र अपनी भूमिका बेहतर समझ सकें। अंततः हमारे छात्र हमारे देश का भविष्य हैं। यदि वे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो भारत अधिक मजबूत, बुद्धिमान और एकजुट होगा। ऐसे में आइए हम सब उन्हें प्रेम, मूल्य और दृष्टि से मार्गदर्शन दें।

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प है...

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा | लेखक

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं। जब कौरवों के षडयंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है।

दोनों ही पक्ष की सेनाओं के हजारों लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। उनसे अधिक लोग सदा के लिए अपंग हो जाते हैं। फल स्वरुप मानव समाज को युगों युगों तक उस अपराध का असहनीय दंड भुगतना होता है, दरअसल जो उन्होंने किया ही नहीं होता। अतः टकराव का रास्ता छोड़ते हुए कुरु वंश को पांडवों का सम्मान बनाए रखना चाहिए। भगवान कृष्ण ने राजसभा में मौजूद प्रजा के गणमान्य प्रतिनिधियों और कुरु वंश के सामर्थ्यवान पदाधिकारियों को भी यह सीख दी कि वे दुर्योधन और धृतराष्ट्र की अपवित्र महत्वाकांक्षाओं को समझें और उन्हें पाप पूर्ण कृत्य करने से रोकें। ताकि युद्ध के रूप में आसन्न अनिष्ट एवं अनर्थ को रोका जा सके। सभी सामर्थ्यवान प्रबुद्ध जन चुपचाप बने रहे। वहीं काल के वशीभूत, अपने अनर्थ से अपरिचित दुर्योधन ने जब उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और भगवान कृष्ण को ग्वाला, गायों को चराने वाला, आदि शब्दों से असम्मानित करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे डाला, तब यह तय हो गया कि अब कुरुवंशियों को काल के गाल में समाने से कोई नहीं रोक सकता। समूचा ब्रह्मांड जानता है कि केवल और केवल दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र की हठ धर्मिता के चलते महाभारत का युद्ध हुआ और उसमें लाखों लोग अकारण ही काल के गाल में समा गए। अंततः जीत सत्य स्वरूप श्री कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडवों की ही हुई।

वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। श्री मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें । यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है। यहां कुछ-कुछ प्रसंग सीख के रूप में हम रामायण युगीन घटनाओं से भी ग्रहण कर सकते हैं। उस कालखंड में भी मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने उस स्थिति में भी लंका वासियों का भला करने का और उन्हें अनिष्ट से बचाए रखने का हर संभव प्रयास किया था, जबकि वहां का राजा रावण उनकी धर्मपत्नी सीता जी का अपहरण करने का पाप कर चुका था। भगवान कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडव और प्रभु श्री राम की कृपा में तैनात वानर दल किसी भी दृष्टि से पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न शत्रु पक्ष का अनिष्ट करने में कमजोर नहीं थे। संकल्प मात्र से ही दुष्टों को नाश करने का सामर्थ्य उन्हें सहज ही प्राप्त था। लेकिन प्रभु श्री राम ने भी पहले हनुमान जी को लंका भेजा, जिन्होंने लंका जलाने से पहले रावण को बार-बार समझाया कि वह युद्ध को हर हाल में टालने का हर संभव प्रयास करे। इसी में राक्षस जाति की भलाई है। जब समुद्र पर सेतु बन गया। युद्ध को आतुर वानर सेना लंका के समक्ष हुंकार भरने लगी। तब प्रभु श्री राम ने एक बार फिर लंका को विनाश से बचाने का रास्ता खोजा और अंगद को शांतिदूत के रूप में प्रेषित किया। जैसा कि हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं, रावण के सिर पर भी काल मंडरा रहा था। सो उसे सामने खड़ा सत्य भी समझ नहीं आ रहा था, या फिर यू कहा जाए कि वह समझना ही नहीं चाहता था। बात त्रेता युग की हो या फिर द्वापर की, पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न पक्ष ने सत्य के मार्ग पर अडिग, धर्म परायण, सामर्थ्यवान, सज्जनों की सहृदयता को कमजोरी ही समझा और स्वतः ही मृत्यु के भोज्य बन बैठे। हाल ही में जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के प्रवास पर गए तब उन्होंने भुज की पवित्र भूमि से भारत और पड़ोसी देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के ऐसे प्रयास हैं, जिनके माध्यम से हमने आतंकवादियों का तो नाश किया, उनके प्रशिक्षण कैंपों को भी ध्वस्त किया। सामरिक महत्व के जिन एयर बेसों को देखकर पाकिस्तानी हुक्मरान और वहां की सेना फूली नहीं समा रही थी, उन्हें तहस नहश किया। लेकिन पाकिस्तानी अवाम के एक भी व्यक्ति को खरोच तक नहीं आने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे अचूक प्रहार और भारतीय आयुधों की पहुंच यह स्पष्ट करती है कि पाकिस्तान का कोई भी भूभाग भारतीय सेना के लक्ष्य से कतई दूर नहीं है। आशय स्पष्ट है, हमारा विरोध आतंकवाद से और आतंकवाद को पोषित करने वाली पाकिस्तानी सेना तथा वहां के हुक्मरानों से है। उन्होंने पहलगाम में जो नापाक हरकत की थी, इसका माकूल जवाब उन्हें उनके घर में घुसकर दिया जा चुका है। यदि इसके बावजूद भी पाकिस्तान नहीं सुधरा, उसने भारत में आतंकवादियों को भेजना बंद नहीं किया तो फिर अब उसकी इन हरकतों को भारतीय सेना पाकिस्तानी सैन्य अपराध के रूप में ही दिखेगी और उसका समूल नाश करने के लिए सदैव तैयार है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और समूची दुनिया की आशाओं के केंद्र बिंदु श्री नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शिता की तारीफ चहुं ओर हो रही है। विश्व के जो शांति पसंद देश हैं वे जानते हैं कि युद्ध से किसी का भला नहीं हुआ। इसे सदैव ही अंतिम विकल्प के रूप में देखा जाना चाहिए। और अधिक व्यापकता के साथ समझने के लिए रूस - यूक्रेन और इजराइल - फिलिस्तीन के बीच चल रहे युद्धों को अध्ययन स्वरूप देखा जा सकता है। इनमें से पहला युद्ध एक देश के सामरिक ठिकानों और अन्य कीमती धरोहरों पर कब्जा जमाए जाने को लेकर चल रहा है। इसमें पश्चिमी देशों और अमेरिका की कुटिल चालों को भी बारीकी से समझने की आवश्यकता है। दोनों देश इतना आगे निकल चुके हैं कि एक सामर्थ्यवान होने के चलते वापस नहीं लौट सकता। तो दूसरे से शांति की कीमतें वसूल करने की चालें चली जा रही हैं। दूसरा युद्ध विशुद्ध आतंकवाद के खिलाफ है। जैसे भारत के पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों की हत्याएं कीं, वैसे ही इजराइल में हमास के आतंकवादियों ने महिलाओं, बूढ़ों, बच्चों को चुन चुन कर मारा। भावावेश में इजरायल पहले हमास और फिर उसके दुनिया भर में व्याप्त हिमायतियों से उलझता चला गया तथा अभी तक उलझा हुआ है। भारत के शत्रु देश और दुनिया के स्वयंभू ठेकेदार हमें और हमारी सेना को भी युद्ध के सुनियोजित जाल में उलझाने की तैयारी कर चुके थे। लेकिन दूरगामी परिणामों को पूर्व में ही भांप लेने की योग्यता रखने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से यह षड्यंत्र छुप ना सका। उन्होंने पहलगाम का बदला भी लिया और कुछ ही घंटों में मामले को अंजाम तक पहुंचा कर दुश्मन को सफेद झंडा लहराने को विवश कर दिया। पाकिस्तान इस दंडात्मक प्रक्रिया से हुए नुकसान और विश्व बिरादरी में हुई किरकिरी के बाद इन घटनाओं से सबक लेगा, इसकी संभावनाएं तो कम ही हैं फिर भी हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उसे सद्बुद्धि प्राप्त हो ताकि वह भारत का बुरा करने के सपने देखने की बजाय अपना और अपनी अवाम का भला करने के बारे में सोचना शुरू कर दे। क्योंकि इसी में पाकिस्तान और वहां की आवाम की भलाई निहित है। आगे स्वयं पाकिस्तान को निश्चित करना है कि उसे रोटी चाहिए या फिर भारतीय सेना की गोली।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

जलाशयों की ठेकेदारी, मछुआरों पर भारी

जल के विविध स्त्रोतों में तालाब, नदी और जलाशय शामिल है। इसी जलसंपदा में मछली की विविध प्रजातियां करोड़ों लोगों के लिए अन्न सुरक्षा देती है तथा मछुआरों के लिए आजीविका का आधार भी बनती है। स्थानीय मछुआरों का जल और जलसंपदा पर अधिकार सुनिश्चित हो इसके लिए शासकीय सहयोग प्राप्त होना जरूरी होता है। आज प्राकृतिक से कहीं ज्यादा मानवनिर्मित आघात होने के कारण जल और जलसंपदा पर निर्भर मछुआरा समुदाय पर प्रतिकूल असर हो रहा है। बडे जलाशयों में ठेकेदार द्वारा मत्स्य व्यवसाय में शोषण, भ्रष्टाचार, और मानव अधिकारों का हनन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य महासंघ द्वारा 7 बडे और 19 मझौले मिलाकर कुल 26 जलाशयों का नियंत्रण किया जाता है। जिसका कुल क्षेत्रफल 2.29 लाख हेक्टेयर है।पूर्व में राज्य मत्स्य विकास निगम को समाप्त कर राज्य मत्स्य महासंघ के माध्यम से कार्य का संचालन किया जाना तय हुआ था, जिसका उद्देश्य था कि जलाशय और मछुआरा विकास के लिए स्थानीय सक्रिय मछुआरा प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए समस्त गतिविधियां उनके अनुसार संचालित की जाए। परन्तु मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य महासंघ का विगत दो दशकों से अधिक वर्षों से चुनाव नहीं हुआ है और केवल राज्य शासन से नियुक्त प्रशासक के माध्यम से कार्य संपन्न कराया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलाशयों के स्तर पर गठित मत्स्य सहकारी संघों का जनतांत्रिक प्रक्रिया से गठन तथा संचालित करना जरूरी है। जलाशय की ठेकेदारी व्यवस्था के खिलाफ बरगी और तवा बांध के विस्थापित मछुआरों ने 90 के दशक में जोरदार संघर्ष किया था। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बरगी में जलाशय स्तर की गठित 54 सहकारी समितियों के फेडरेशन को जलाशय में मत्स्य उत्पादन एवं विपणन का अधिकार दिया था।फेडरेशन ने मत्स्य उत्पादन और विपणन कार्य सफलता पूर्वक संपन्न किया। बरगी बांध विस्थापित मत्स्य उत्पादन एवं विपणन सहकारी संघ ने 1994 से 2000 तक इन 6 सालों में औसत 450 टन का मत्स्य उत्पादन प्रति वर्ष, 319.94 लाख रुपए मछुआरों को पारिश्रमिक भुगतान, 1 करोड़ 37 लाख रुपए राज्य सरकार को रायल्टी, मछुआरों बिना ब्याज के नाव जाल हेतु ऋण, लगभग 100 विस्थापितो को इस कारोबार में रोजगार आदि दिया था। परन्तु इस सफल प्रयोग को दरकिनार करते हुए सन् 2000 से राज्य सरकार ने फिर से ठेका पद्वति चालू कर दी, तब से मत्स्य उत्पादन भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। ठेकेदार तो बाजार मूल्य से करोड़ों की कमाई कर रहे हैं, जबकि मेहनतकश मछुआरों का शोषण हो रहा है बरगी जलाशय का मत्स्य उत्पादन 2017- 18 में 55 टन 2018- 19 में 213 टन 2019- 20 में 95 टन 2020-21 में 28 टन 2021- 22 में 114 टन 2022-23 में 211 टन मात्र रह गया है। वहीं दूसरी ओर जलाशयों में मत्स्य बीज संचय की पारदर्शी व्यवस्था नहीं होने से मत्स्य उत्पादन में भारी कमी आ गई है। जिससे मछुआरा रोजगार की तलाश में पलायन करने को बाध्य है। 3 सितम्बर 2007 को प्रदेश के मुख्य सचिव और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ? अधिकारियों ने नर्मदा घाटी के जलाशयों में ठेकेदारी प्रथा से मत्स्याखेट बंद करने का निर्देश दिया था।परन्तु मत्स्य महासंघ के प्रबंधक ने मुख्य सचिव के आदेश को भी मानने से इन्कार कर दियो इससे समझा जा सकता है कि मत्स्य महासंघ किसके हितों के लिए काम कर रहा है। विगत कई वर्षों से मत्स्य महासंघ द्वारा मछली पकड़ने की मजदूरी दर नहीं बढाया गया है। राज्य मत्स्य महासंघ द्वारा 2000 हेक्टेयर से बडे जलाशयों में मेजर और माइनर कार्प मछली पकडने की मजदूरी क्रमशः 34 और 20 रुपए प्रति किलो तय किया हुआ है। मछली पकड़ने का मजदूरी शासन द्वारा घोषित मूल्य बाजार भाव से बहुत ही कम है जिससे ठेकदारों की कमाई तो बढती है, परन्तु मछुआरा आर्थिक तंगहाली में है।गैर मछुआरा समुदाय के प्रभावशाली लोग प्राथमिक मछुआरा सहकारी समिति के माध्यम से अधिकतर जलाशयों पर कब्जा किये हुए हैं और उन्हें जिले के विभागीय अधिकारियों का संरक्षण भी प्राप्त है।बाणसागर जलाशय में ठेकेदारों द्वारा बाहर से मछुआरों को लाकर काम कराया जाता है, जिससे स्थानीय मछुआरों को काम नहीं मिल पाता है। ठेकेदार के लठैतों द्वारा मछुआरों के साथ मारपीट करना आम बात है। मछुआरा अपने खाने की लिए मछली भी घर नहीं ले जा सकता है। ठेकेदार के लोग इसके लिए घेराबंदी करते हैं। जबकि 1992-93 में राज्यपाल मोहम्मद कुंवर अली खान ने मछुआरों को मत्स्याखेट का 20 प्रतिशत मछली स्वयं इस्तेमाल करने की छुट दिया था। दूसरी ओर मध्यप्रदेश सरकार एक सैकड़ा जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने की तैयारी कर रही है।नर्मदा नदी पर बने ओंकारेश्वर बांध में बनाए गए फ्लोटिंग सोलर प्लांट के कारण सैकड़ों मछुआरा मत्स्याखेट से वंचित हो गये हैं और भुखमरी के कगार पर आ गये हैं। बरगी जलाशय के 16 हजार हेक्टेयर में मत्स्याखेट कार्य किया जाता है और उसमें से 10 हजार हेक्टेयर में फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है जिससे हजारों परिवारों के समक्ष आजिविका का संकट खड़ा हो जाएगा। मत्स्याखेट की सुरक्षा के लिए नदियों को बहते रहना और प्रदूषणमुक्त रखना भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।जिससे मछली की प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाया जा सके।एक समय नर्मदा में महाशीर मछलियों की संख्या 30 प्रतिशत हुआ करती थी। अब यह संख्या घटकर 1 प्रतिशत से भी कम रह गई है। महाशीर साफ पानी की मछली है, जिसे बहता पानी पसंद है। बांध और पानी की अपारदर्शिता के कारण नर्मदा अब महाशीर के प्रजनन के लिए अनुकूल नहीं रही, जिससे इसकी संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है।

राजकुमार सिन्हा
लेखक

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

धर्म का अर्थ...

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे? **संत बोले-** जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

केंद्र सरकार ने लोगों को दी राहत... कच्चे तेल पर आयात शुल्क घटाया

खाने के तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार ने कच्चे पाम तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत लागू किया गया है। इससे बाजार में खाने के तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

भारत खाद्य तेल का लगभग आधा हिस्सा विदेश से आयात करता है, इसलिए इस आयात शुल्क में कमी का असर सीधे तेल की खुदरा कीमतों पर पड़ेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि इससे घरेलू बाजार में तेल सस्ता होगा और तेल रिफाइनिंग इंडस्ट्री को भी मजबूती मिलेगी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि तीनों कच्चे तेलों पर अब कुल प्रभावी आयात शुल्क करीब 16.5 प्रतिशत रह गया है, जो पहले 27.5 प्रतिशत था। हालांकि, यह राहत केवल कच्चे तेलों पर दी गई है, रिफाइंड पाम तेल और अन्य रिफाइंड तेलों पर अभी भी 32.5 प्रतिशत आयात शुल्क लागू रहेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे और रिफाइंड तेलों के बीच आयात शुल्क के अंतर को बढ़ाने से घरेलू तेल उद्योग को फायदा होगा और रिफाइंड तेल के आयात में कमी आएगी।

आरबीआई का बड़ा फैसलाः पुराने और कटे-फटे नोटों से बनेगा पार्टिकल बोर्ड

नई दिल्ली ■

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारत के हर राज्य में बदलते मौसम और परिवेश के चलते होने वाली नोटों की मुद्रा को संभालकर रखने के लिए एक अनोखा कदम उठाया है। लंबे समय तक निष्क्रिय रखे गए पुराने, गले, और कटे-फटे नोटों का निपटारा करने के लिए आरबीआई ने पार्टिकल बोर्ड बनाने का फैसला लिया है। हर साल आरबीआई के पास 15,000 टन से अधिक के ऐसे बर्बाद हो चुके नोट जमा होते हैं, जो प्रदूषित हो चुके होते हैं या अन्य कारणों से उपयोग न होने पर बाहर कर दिए जाते हैं। पहले ये नोट जला दिए जाते थे, लेकिन अब आरबीआई इन नोटों को पार्टिकल बोर्ड में बदलकर

कंपनियों को बेचेगा। यह प्रक्रिया कंपनियों को सस्ता और टिकाऊ कच्चा माल प्रदान करेगी, साथ ही आरबीआई के लिए भी नुकसान कम होगा। पार्टिकल बोर्ड निर्माण कंपनियों से इनका सम्पर्क करने में आरबीआई की विशेष महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे पर्यावरण के हित में अधिक समाधान हो सके। इस कदम से न केवल नोटों की मात्रा कम होगी, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

इंडिगो चालू 10 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगीः सीईओ

नई दिल्ली। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने घोषणा की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लंदन, एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने का निश्चय लिया है। इनमें शामिल हैं एम्स्टर्डम, मैनचेस्टर, कोपेनहेगन, सिएम रीप, और मध्य एशिया के कुछ स्थान। एल्बर्स ने विमानन क्षेत्र में भारत के स्थायी आधार की तारीफ की और कहा कि इंडिगो के लिए यह एक बड़ा क्षेत्र है जहां वे अब और अधिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित हैं। कंपनी ने हाल ही में मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए बोइंग 787-9 विमान के साथ सीधी उड़ानें प्रारंभ की है। इसके साथ ही इंडिगो ने इस साल की आय को 10 अरब अमेरिकी डॉलर पार कर लिया है। कंपनी व्यापक सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ रोजाना 2,300 से अधिक उड़ानें संचालित करती है, जिससे इसे एक अग्रणी विमानन कंपनी बनाता है।

पहले बैंकों की ब्याज दरें जानें फिर करें एफडी!

नई दिल्ली ■

एक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करना एक सुरक्षित और आसान तरीका है अपने पैसे को बढ़ाने का। लेकिन अगर आप इसे सरकारी बैंक या निजी बैंक में करना चाहते हैं, तो यह जानकारी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां देश के कुछ प्रमुख बैंकों की एफडी ब्याज दरों की जानकारी दी गई है। सरकारी बैंकों में एसबीआई, पीएनबी, यूनियन बैंक आफ इंडिया, बैंक आफ बड़ौदा और बैंके आफ इंडिया जैसे बैंकों में एफडी करने पर आपको 2 लाख रुपये के निवेश पर मैच्योरिटी पर 6.5 से 6.8 फीसदी की ब्याज दर पर एक अच्छी रिटर्न मिल सकता है। वहीं निजी बैंकों में एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एक्सिस, फेडरल और आईडीबीआई जैसे बैंकों में एफडी करने पर भी आपको 6.70 से 6.85 फीसदी तक की ब्याज दर पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। निवेश का निर्णय लेने से पहले आपको बैंकों की विभिन्न प्रस्तावित योजनाओं और शर्तों की जांच करनी चाहिए। इसके साथ ही आपको अपने निवेश के लक्ष्य, आवश्यकताएं, और वित्तीय स्थिति को भी ध्यान में रखना चाहिए। यह सुनिश्चित करेगा कि आप एक सही निवेश निर्णय लेते हैं और अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं।

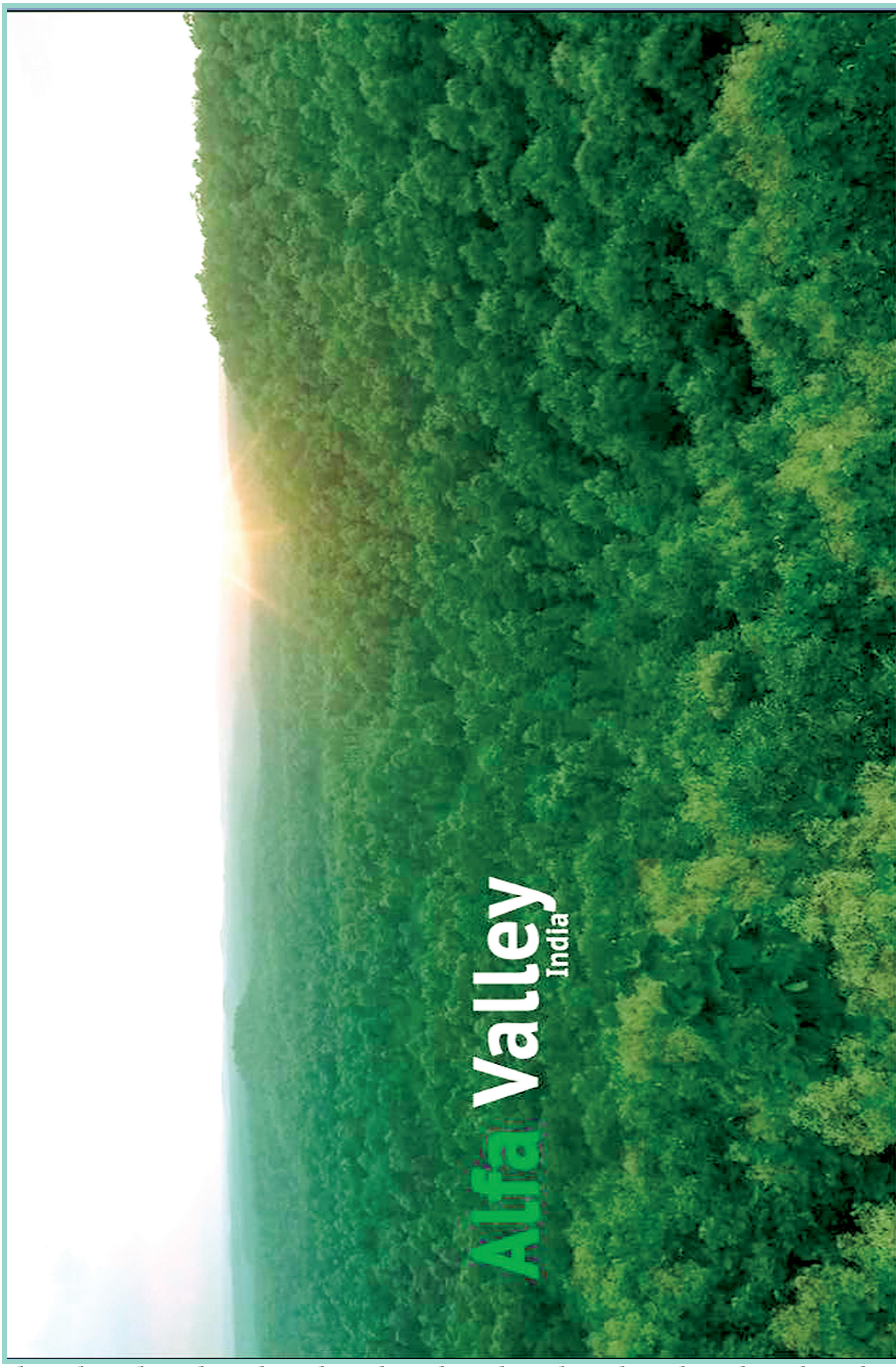
Alfa Valley
India

मनोरंजन

फिल्मों में महिला का उपयोग केवल सेक्स अपील के लिए नहीं: दीपिका पादुकोण

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने मातृत्व मुद्दे और फिल्मों में महिलाओं के कैरेक्टर को लेकर खुलकर बात की हैं। बातचीत में दीपिका पादुकोण ने शेयर किया कि फिल्मों में महिलाओं के किरदार विकसित हुए हैं और अब उनका उपयोग केवल डेकोरेशन के लिए या फिल्मों में उनकी सेक्स अपील के लिए नहीं किया जाता है। उन्होंने दावा किया कि महिला कैरेक्टर डेवलप हुए है और जिस तरह आज उन्हें लिखा जा रहा है, जब तब मैंने शुरुआत की थी उससे काफी अलग हैं। मुझे लगता है कि उस बदलाव ने मुझे मेरे द्वारा निभाए जाने वाले अलग-अलग कैरेक्टर में विभिन्न पहलू लाने के लिए प्रेरित किया है। दीपिका ने आगे कहा कि यह कोई मिस्ट्री नहीं है कि ज्यादातर पार्ट के लिए महिलाएं सिर्फ सजावट या थोड़ी सी कॉमेडी या सेक्स अपील के लिए होती हैं। मुझे लगता है कि आज महिला कैरेक्टर में वास्तव में एक आवाज होने, बदलाव लाने के लिए है, मैंने उस डेवलपमेंट को देखा है। दीपिका का मानना है कि ये फिल्में और किरदार आज समाज में बदलाव लाने में सक्षम हैं। वहीं दीपिका पादुकोण ने खुलकर कहा कि चाहे वह यह हो कि मैं कौन सी फिल्में करना चाहती हूं, मैं अपना जीवन कैसे जीना चाहती हूं या वे चीजें जो मुझे वाकई पसंद हैं।

सोनाली बेंद्रे बोलीं- उस वक्त नहीं पता था कि वह प्रेग्नेंट है

साल 2004 में आई मराठी फिल्म आगा बाई अरेचा के गाने चम चम करता की शूटिंग के दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे को नहीं पता था कि वो प्रेग्नेंट हैं। डांस कोरियोग्राफर फराह खान के साथ बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने इस बारे में खुलासा किया। इन दिनों फराह खान अलग-अलग सेलेब्रिटीज के साथ व्लॉगिंग कर रही हैं और जब वह सोनाली बेंद्रे के साथ कश्मीरी गुच्ची पुलाव बना रही थीं। फराह खान ने कहा, सोनाली हमने साथ में कई गाने किए हैं। हमने आंखों में बसे हो तुम किया, फिर डुप्लिकेट किया और फिर एक मराठी सॉन्ग चम चम करता किया है। सोनाली बेंद्रे ने इसी बातचीत के दौरान कहा, जब मैं उस गाने की शूटिंग कर रही थी तब मुझे नहीं पता था कि मैं प्रेग्नेंट हूं। फराह खान ने सोनाली बेंद्रे की तारीफ की और बताया कि कैसे वह उन दिनों एक कम्पलीट एक्ट्रेस लगा करती थीं। जिसके बाद सोनाली बेंद्रे ने मजाकिया लहजे में कहा, वह मुझे यह बता रही हैं कि मैंने एक पंजाबी से शादी की है। अब तुम गोल्डी के घर से खाती रहती हो। और फिर मुझे पता चला कि मैं प्रेग्नेंट हूं। मुझे पता नहीं था। फराह खान ने बताया, उसने पूरा डांस प्रेग्नेंसी में ही किया था। एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे की शादी साल नवंबर 2002 में फिल्ममेकर गोल्डी बहल से हुई थी। दोनों का एक बच्चा है जिसका जन्म साल 2005 में हुआ था। सोनाली ने कहा कि फराह के साथ काम करना हमेशा आसान था, वैसा तनाव नहीं होता था जो सरोज जी के साथ काम करने में हुआ करता था।

फिल्म इक्कीस में बहादुर इंडियन आर्मी लेफ्टिनेंट की सच्ची कहानी

नवोदित एक्टर्स अगस्त्य नंदा और सिमर भाटिया स्टारर फिल्म इक्कीस एक बहादुर इंडियन आर्मी लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी पर बेस्ड है। ये फिल्म साल 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में दिखाई उनकी वीरता को दर्शाएगी। इस फिल्म में अगस्त्य और सिमर के अलावा धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत जैसे शानदार एक्टर्स भी शामिल हैं।इक्कीस को श्रीराम राघवन ने डायरेक्ट किया है, जिन्होंने इससे पहले बदलापुर, अंधाधुन, एजेंट विनोद, जॉनी गद्दार जैसी फिल्में बनाई हैं। वहीं इस फिल्म को दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। अगस्त्य और सिमर की फिल्म इक्कीस 2 अक्टूबर, 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इक्कीस की कहानी सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की है, जो साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद हो गए थे। उन्हें उनकी बहादुरी के लिए भारत सरकार द्वारा परम वीर चक्र से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें ये सम्मान मात्र 21 साल की उम्र में मिला था जिसके बाद वो भारत के सबसे युवा परम वीर चक्र हीरो बने थे। अगस्त्य नंदा साल 2023 में नेटफ्लिक्स की फिल्म द आर्चीज से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुके थे। मगर उनकी फिल्म को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब अगस्त्य पहली बार बड़े पर्दे पर फिल्म इक्कीस से नजर आने वाले हैं। उनके साथ फिल्म में धर्मेंद और जयदीप भी होंगे जिनसे लोगों की पहले से ही काफी उम्मीदे हैं। साथ ही इस फिल्म को मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

अल्काराज फ्रेंच ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे:बेन शेल्टन से होगा सामना
वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका और डिफेंडिंग चैंपियन स्वियातेक भी जीतीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। डिफेंडिंग चैंपियन मेंस सिंगल्स चैंपियन अल्काराज ने शुक्रवार को तीसरे राउंड में बोस्निया के दामिर दजुमहुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 3 घंटे 14 मिनट तक चला। इसमें अल्काराज ने शुरुआती दो सेट में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे सेट में दजुमहुर की वापसी ने मैच को रोमांचक बना दिया। अल्काराज ने चौथे सेट में आत्मविश्वास दिखाते हुए जीत हासिल की। अब अल्काराज का सामना चौथे दौर में अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा, जो वर्तमान में वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं।

रूने के मैच के दौरान विवाद

डेनमार्क के टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने तीसरे दौर में फ्रांस के खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में 4-6, 6-2, 5-7, 7-5, 6-2 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। इस मैच के दौरान एक विवाद भी हुआ, जब एक दर्शक ने रूने का तौलिया खींचने की कोशिश की। रूने ने सुरक्षा की चिंता जताते हुए अंपायर से उस दर्शक को हटाने की मांग की, फिर मैच छोड़ने की चेतावनी दी। हालांकि, अंपायर ने दर्शक को नहीं हटाया, लेकिन वह व्यक्ति बाद में खुद ही चला गया। अब चौथे दौर में रूने का सामना इटली के आठवीं सीड खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी से होगा। अगर वे यह मैच जीतते हैं, तो यह फ्रेंच ओपन में उनका तीसरा क्वार्टर फाइनल होगा, इससे पहले वे 2022 और 2023 में भी अंतिम आठ में पहुंचे थे।

स्वियातेक की फ्रेंच ओपन में लगातार 24 वीं जीत

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराया। यह जीत उनकी फ्रेंच ओपन में लगातार 24वीं जीत है। अब मौजूदा चैंपियन स्वियातेक का सामना चौथे दौर में कजाखस्तान की ऐलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने जेलेना ओस्तापेंको को 6-2, 6-2 से हराया।

सबालेंका ने डानिलोविच को हराया

वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने सर्बिया की ओल्गा डानिलोविच को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। मैच की शुरुआत में ही सबालेंका ने 5-0 की बढ़त बना ली थी, और पूरे मुकाबले में उनका दबदबा बना रहा। अब उनका सामना अमेरिका की 16वीं सीड अमांडा अनिसिमोवा से होगा।

शुभमन की इंग्लैंड दौरे में होगी कप्तानी और बल्लेबाजी की परीक्षा

लंदन। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को इंग्लैंड दौरें के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है ऐसे में ये दौरा उनके लिए बेहद अहम होगा। शुभमन ने अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में तो भारतीय टीम की कप्तानी की है पर टेस्ट में उनके लिए कप्तानी एकदम नया अनुभव होगा। इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर ही नहीं बल्कि बल्लेबाज के तौर पर भी शुभमन की परीक्षा होगी। शुभमन का अब तक का इंग्लैंड का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। इस सीरीज के दौरान केवल कप्तान शुभमन के अलावा अन्य युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल आदि की भी परीक्षा होगी। शुभमन ने अब तक 32 टेस्ट खेलकर 1893 रन बनाए हैं। यहां उन्होंने पांच शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। उनका औसत 35.05 का है और वे टेस्ट में 59.92 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन के टेस्ट में आंकड़े कमजोर हैं।10 टेस्ट मैच खेलकर शुभमन गिल ने केवल 592 रन बनाए हैं।

आईसीसी अगले महीने से नए नियम लागू करेगा, वनडे में 34 ओवर के बाद एक बॉल का इस्तेमाल होगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) टेस्ट और वनडे के कुछ नियमों में बदलाव करने जा रहा है। आईसीसी ने अपने मेंबर्स को भेजे गए एक संदेश में कहा कि संशोधित प्लेइंग-कंडीशन्स टेस्ट मैचों में जून से और व्हाइट बॉल क्रिकेट में जुलाई से लागू होंगे। जिन नियम में बदलाव होगे उसमें वनडे क्रिकेट में एक बॉल का इस्तेमाल, बाउंड्री पर कैच और कन्कशन रिप्लेसमेंट शामिल है।

वनडे क्रिकेट में एक बॉल का इस्तेमाल

अक्टूबर 2011 से वनडे में दो नई बॉल का नियम लागू है। अभी वनडे में दो नई बॉल का दोनों साइड से इस्तेमाल किया जाता है। आईसीसी के नए नियम के मुताबिक, 1 से 34 ओवर के लिए दो नई गेंदें होंगी। यानी एक पारी में पहले 34 ओवर तक दोनों गेंदें चलेंगी। फिर 35वें ओवर से सिर्फ एक गेंद पारी के अंत तक दोनों एंड से इस्तेमाल की जाएंगी (जब तक कि इसे बदलने की जरूरत न हो)। 34 ओवर पूरे होने के बाद और 35 ओवर की शुरुआत से पहले फील्डिंग टीम उन दो गेंदों में से एक का सिलेक्शन करेगी।

दो नियम के बारे में बाद में सूचित किया जाएगा

कन्कशन रिप्लेसमेंट नियमों में भी कुछ बदलाव किए जाएंगे। टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच कन्कशन रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों के नाम देने होंगे। जिसमें एक विकेटकीपर, एक बल्लेबाज, एक पेसर, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर रहेगा। अगर रिप्लेस किया गया खिलाड़ी भी चोटिल हो जाता है, तो मैच रेफरी नया ऑप्शन चुन सकता है। आईसीसी विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाउंड्री लाइन कैच और डीआरएस प्रोटोकॉल में नियमों में बदलाव के बारे में बाद में सूचित किया जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में नए नियम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अगले साइकिल (2025-27) से लागू होंगे। यह श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में 17 जून से होने वाले पहले टेस्ट के जरिए लागू होंगे। डब्ल्यूटीसी 2023-25 फाइनल पुराने नियम से ही खेला जाएगा। यह फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाना है। वनडे इंटरनेशनल में नए नियम 2 जुलाई से लागू होंगे। 2 जुलाई को श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है। वहीं 10 जुलाई से टी-20 इंटरनेशनल नए नियमों के साथ खेले जाएंगे।

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में सचिन यादव ने सिल्वर जीता

साउथ कोरिया ■ एजेंसी

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत के सचिन यादव ने जेवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। शनिवार को जेवलिन इवेंट में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 86.40 मीटर का आखिरी थ्रो फेंककर गोल्ड जीता।

साउथ कोरिया के गुमी में हो रहे टूर्नामेंट में भारत पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर हैं। देश के 8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज सहित 24 मेडल हो गए हैं। शुरुआत में भारत के सचिन यादव मेडल की दौड़ से बाहर रहे, लेकिन उन्होंने अंतिम 2 थ्रो में 83.03 मीटर और 85.16 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता। सचिन के अलावा, यशवीर सिंह 82.57 मीटर के अपने पर्सनल बेस्ट थ्रो के साथ 5वें स्थान पर रहे। सचिन यादव और यशवीर सिंह अपने पर्सनल बेस्ट थ्रो के बावजूद वर्ल्ड चैंपियनशिप क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाए। इसके लिए एथलीट को मिनिमम 85.50 मीटर थ्रो की आवश्यकता होती है। पेरिस ओलिंपिक 2024 में गोल्ड जीतने के बाद अरशद नदीम की यह पहली प्रतियोगिता थी। उन्होंने 86.34 मीटर के थ्रो के साथ हीट में टॉप स्थान हासिल करके इस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

अर्शदीप इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेंगे : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे।

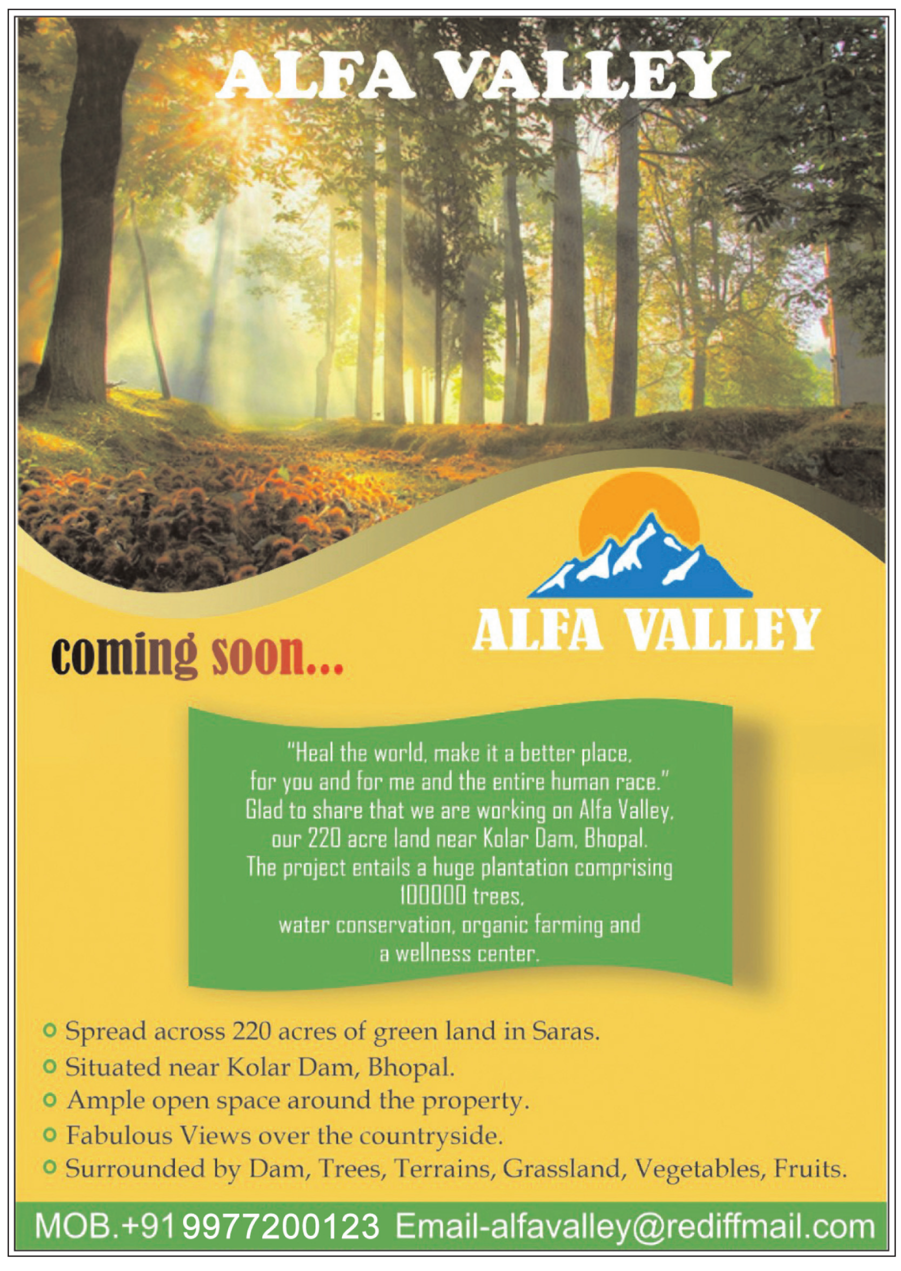

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com